बाधो, मास , वर्ष-10, अंक 174, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज गुरुवार 19 सितम्बर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

10 वर्ष विश्वास के

पांच दिन पहले प्रोग्राम में जाने की बात कहकर निकला था, अब कुएं में मिला शव

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी जिले में बुधवार की सुबह किनन्र की हत्या कर शव कुएं में फेंके जाने को लेकर किनन्र समाज के लोगों ने हंगामा कर दिया। परिजनों ने बताया कि 14 सितंबर को वह घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं आया। वाराणसी के मिर्जामुराद क्षेत्र के पिलोरी गांव में बुधवार की सुबह एक कुएं में लाश मिली। आशंका है कि हत्या कर शव फेंका गया था। घटना के बाद मौके पर सनसनी फैल गई। आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई है। चंदन पटले उर्फ चांदनी (21) पुत्र राजबन पटेल निवासी बच्छाव (रोहनिया) 14 सितंबर से लापता था। घर से नाच गाना के प्रोग्राम में जाने लिए कह कर गया था। बुधवार को लापता किनन्र की लाश पिलोरी गांव के ईंट भट्ठे के समीप खेत में कुएं में ग्रामीणों द्वारा देखा गया। जानकारी होने पर मिर्जामुराद पुलिस के साथ पहुंचे एडीसीपी अकाश पटेल ने कुएं से शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकलवाया। मृतक के हाथ में चंदन नाम का टैटू था, जिसकी वजह से उसकी शिनाख्त हुई। घटनास्थल पर पहुंचे मृतक के पिता व भाई ने बताया कि चार दिन पूर्व शहनाज नाम का किनन्र ने एक प्रोग्राम में जाने के लिए कह कर रखौना स्थित रिंग रोड के पास से उसको ऑटो में बैठा कर ले गया था। उसके बाद से ही भाई लापता था। जिसका मुकदमा कछवा बाजार थाने में पंजीकृत है।

सोनभद्र के रिहंद बांध के तीन फाटक 20 दिन बाद फिर खुले, उच्चतम स्तर को पार चुका है बांध का जलस्तर

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रिहंद बांध के तीन फाटक फिर से खोल दिए गए है। बांध का जलस्तर काफी बढ़ गया है। ऐसे में पानी निकालने के लिए बांध के 6, 7 और 8 नंबर गेट को 10-10 फीट तक खोला गया है। सोनभद्र जिले के पिपरी में स्थित एशिया के विशालतम बांधों में एक रिहंद बांध का जलस्तर अपने उच्चतम स्तर को पार चुका है। ऐसे में बांध के तीन फाटक खोल दिए गए है। बांध से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि उच्चतम स्तर तक पहुंचने के बाद ही बांध के फाटक खोले गए है। उधर, जलस्तर में वृद्धि के बाद प्रशासन ने सोन नदी के तटवर्ती इलाकों के लिए अलर्ट जारी करते हुए नदी से दूर रहने को कहा है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार सिंह ने बताया कि बांध का जलस्तर अपने अधिकतम स्तर 872 फीट पर मेंटेन रखना है। अब इस वर्ष मानसून का अंतिम दौर चल रहा है। बुधवार की सुबह बांध का जलस्तर 872.2 फीट पार करने के बाद फाटक खोल दिया गया। फिलहाल बांध के 6,7 व 8 नंबर गेट को 10-10 फीट खोलकर पानी निकाला जा रहा है।इसके पूर्व मंगलवार की शाम को बांध में पानी का इनफ्लो तेज देखते हुए 871.2 फीट पर पानी छोड़ने का निणय्य लिया गया था।मंगलवार की शाम 5 बजे बांध के एक फाटक को 10 फीट तक खोल भी दिया गया था परंतु 10 मिनट बाद पुनः बंद कर दिया गया। पानी के घटते दबाव को देखकर सिंचाई विभाग ने फाटक खोलने के निर्णय को रोक दिया था।इसके बाद रात भर में बांध का जलस्तर 871.9 फीट पर पहुंच गया था। जल विद्युत उत्पादन निगम के अधिशासी अभियंता शशिकांत राय ने बताया कि बांध पर स्थित छह टरबाइन को चलाकर 300 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है।

दिल्ली से गोरखपुर आ सकती है स्वास्थ्य मंत्रालय की जांच टीम, लगे हैं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। एम्स में भ्रष्टाचार का मामला दूसरी बार सार्वजनिक हुआ है। सात महीने पहले जब पूर्व कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरेखा किशोर को यहां से हटाया गया था तो उस वक्त भी खरीद और निर्माण में गड़बड़ी की चर्चा चली थी। हालांकि, उन पर लगे आरोपों की जांच में क्या हुआ, यह आज तक सार्वजनिक नहीं हो पाया। कार्यकारी निदेशक डॉ. जीके पॉल ने भी इसका खुलासा किया था। एम्स के कार्यकारी निदेशक के बयान के बाद से परिसर में हड़कंप मचा हुआ है। हर विभाग के जिम्मेदार अंदर ही अंदर अपने बिल बाउचर दुरुस्त करने में लगे हैं। शीर्ष अफसर के इस तरह से सार्वजनिक बयान के बाद सभी को वृहद जांच का अंदेशा सता रहा है। बताया जा रहा है कि दिल्ली से एक जांच टीम जल्द ही एम्स पहुंचने वाली है। उधर, एम्स में करीब डेढ़ महीने से सारे काम की निगरानी के लिए बनी छह कमेटियों को लेकर भी खूब चर्चा चल रही है। फिलहाल इस मामले पर अब सभी बड़े अफसरों ने चुप्पी साध ली है, लेकिन अंदर ही अंदर बेचैनी बढ़ी हुई है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA)

COPA कोर्स सभी प्रकार की नौकरियों जैसे-

पुलिस विभाग (कम्प्यूटर आपरेटर)

रक्षा मंत्रालय (DRDO) भारत सरकार मुद्रण विभाग, राजकीय आई.टी.आई. इंस्ट्रक्टर, स्वास्थ्य विभाग और सभी सरकारी विभागों, बैंक / प्रतिष्ठानों के लिए मान्य यह प्रमाणपत्र O-Level के समकक्ष है।

विशेष - ये कोर्स रेलवे द्वारा निकाली जाने वाली कम्प्यूटर ऑपरेटर की रिक्तियों के लिए मान्य है।

श्री सी.पी. पाण्डेय

प्रभारी निरीक्षक डायल 112, उ.प्र. पुलिस

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

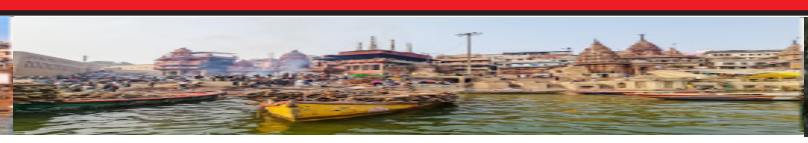

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह जी ने किया शुभारंभ

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

प्रतापगढ़। तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी जी द्वारा भुवनेश्वर ओडिशा से विभिनन परियोजनाओं के लोकार्पण, शिलान्यास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभाथिन्यों के खाते में प्रथम किस्त के हस्तांतरण तथा आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 हेतु आवास प्लस एप लॉन्च कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। सजीव प्रसारण का अवलोकन अधिकारियों, पीएम आवास योजना के लाभाथिन्यों व जनसामान्य द्वारा देखा गया। मा. राज्यमंत्री परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश/जनपद प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह जी ने माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत तुलसीसदन (हादीहाल) में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, पूर्व विधायक धीरज ओझा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी व पार्टी पदाधिकारीगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह जी ने तुलसीसदन परिसर में पौधारोपण कर जनपद वासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एवं कहा कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं। कार्यक्रम में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने प्रभारी मंत्री जी को अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।इस अवसर पर प्रभारी मंत्री लोगों को सम्बोधित करते हुये कहा कि आज के दिन भगवान विश्वकर्मा जी की भी जयन्ती है जिन्होने प्राचीन भारत को बनाने का कार्य किया और आधुनिक भारत के निर्माता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का भी जन्म दिन है। उन्होने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी देश व प्रदेश की जनता के लिये अपने आपको समर्पित किये हुये है। सरकार की जितनी भी योजनायें संचालित हो रही है वह सभी पात्र व्यक्तियों को मिल रहा है। उन्होने कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक मनाया जायेगा इस कार्यक्रम को सब लोग मिलकर सफल बनाये। स्वच्छता हम सबके जीवन में महत्वपूर्ण है, जब व्यक्ति स्वच्छ रहेगा और वातावरण को स्वच्छ रखेगा तो देश आगे बढ़ेगा। साफ-सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है, यह हमारे जीवन की प्राथमिकता भी है, स्वच्छता जरूरी है कि क्योंकि साफ-सफाई से हम जीवन में आने वाली कई परेशानियों से मुक्ति पा सकते है। स्वच्छता सभी लोगों को अपनी दिनचर्या में अवश्य ही शामिल करना चाहिये। स्वच्छता के माध्यम से हर घर में शौचालय बना है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को पक्का मकान मिल रहा है, जन-धन खाते के तहत लोगों के सीधे खाते में योजना का पैसा पहुॅच रहा है। उन्होने कहा कि सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास और सबका विश्वास के साथ जनपद का विकास हो रहा है। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने आये हुये अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 08 लाभाथिन्यों को प्रमाण पत्र का वितरण किया जिनको तीनों किस्त का भुगतान कर दिया गया है तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 10 लाभाथिन्यों जिनके आवास पूर्ण हो गये है उनको चाभी का वितरण किया गया। प्रभारी मंत्री जी ने इस दौरान उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलायी। परियोजना निदेशक डीआरडीए ने दयाराम यादव ने बताया कि जनपद के लो लाभार्थी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से वंचित थे उन्हें आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा जनपद के 1452 लाभाथिन्यों के खाते में प्रथम किस्त के रूप में 40 हजार रूपये उनके खाते में हस्तान्तरित किये गये। इस दौरान प्रभारी मंत्री जी ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत ई-रिक्शा कूड़ा गाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे, सांसद प्रतिनिधि, अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण व आम जनमानस उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा0 मो0 अनीस एवं धर्मेन्द्र ओझा द्वारा किया गया।

नैनी के सरस्वती हाईटेक के बडे प्लॉट टुकडो में होंगे आवंटित

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नैनी। सरस्वती हाईटेक के बड़े प्लांट का साइज कम कर आवंटित कर रहे करने की योजना है इसके लिए उत्तर प्रदेश औद्योयोगिक विकास प्राधिकरण ने हरी झंडी दे दी है इस निर्णय से उद्यगमियों को राहत मिलेगी सरस्वती हाईटेक को अस्तित्व में आए एक दशक हो गए हैं अभी 121 एकड़ जमीन खाली पड़ी है इसमें अधिकांश प्लांट 2000 वर्ग गज के है इसे खरीदने के लिए करोड़ों रुपए चाहिए बड़ी रकम खर्च होने के लिए कारण उद्यमी उद्योग स्थापित करने को लेकर आगे नहीं आ रहे हैं उत्तर प्रदेश राज्य औद्योयोगिक संघ ने पिछले दिनों यूपीसीडा के एसीईओ के समक्ष प्लांट को छोटा करके आवंटित करने की मांग की थी इस बाबत संघ की ओर से एकमात्र प्राप्त होने पर अधिकारियों ने मंथन करने के बाद उनकी मांग को मान लिया है 2000 वर्ग गज के प्लांट को 1000 व 500 वर्ग गज कर उद्यमियों को आवंटित किया जाएगा अधिकारियों का मानना है कि इससे सरस्वती हाईटेक में जल्दी कई उद्ययोग आबाद हो जाएंगे लोगों को रोजगार भी मिलेगा अप सीधा के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश की ओर से पत्र मिलने के बाद उनकी मांग मान ली जाएगी उद्ययमियों को बड़े प्लांट टुकड़ों में आवंटित किए जाएंगे।

पीएम मोदी सेवा सप्ताह पखवाड़ा में हुआ साफ सफाइ

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पीएम मोदी सेवा सप्ताह पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को उरमौरा स्थित शिव मंदिर परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान । वहीं सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाते हुए पीएम मोदी के संकल्प का दिया गया संदेश इस दौरान सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा उसी क्रम में उरमोरा स्थित शिव मंदिर परिसर में साफ सफाई अभियान चलाया गया श्री रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए संकल्प को भाजपा कार्यकर्ता पूर्ण करने के लिए कार्य कर रहे हैं सेवा सप्ताह पकवाड़ा के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें सभी कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष मंडल पर भारी सैक्टर अध्यक्ष व आम जनमानस के साथ सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के साथ कार्य किया जाएगा इस मौके पर ग्राम प्रधान इंदजीत यादव ,मार्कण्डे सिंह,अमन वर्मा ,विजेंदर,सर्वण कुमार आदि लोग रहे।

गंगा और यमुना के जलस्तर में कमी लगातार जारी, बाढ़ प्रभावित इलाकों में दुश्वारियां बरकरार

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नैनी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत भरी खबर है। गंगा का जलस्तर फिलहाल स्थिर है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार बुधवार को भी गंगा के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है. अब यहां पर 83.94 मीटर पर गंगा बह रही हैं और छह सेंटी मीटर की रफ्तार घट रही है। छतनाग में जलस्तर 82.83 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर भी घट रहा है। यहां पर फिलहाल जलस्तर 83.69 मीटर पर है। जिले में मंगलवार को 11 घंटे में 42.31 मिलीमीटर बारिश हुई। इनमें से करछना और कोरांव के बाद शहर में सबसे अधिक सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह आठ से शाम सात बजे के बीच करछना में 72 मिमी बारिश हुई। कोरांव में 62 मिमी और सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। बारा में 33, हंडिया में 23.5, फूलपुर में 10 तथा सोरांव में 15 मिमी बारिश हुई। गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद सहायक नदियां चंबल, केन और बेतवा भी उफान पर थी। कई जिलों से होते हुए प्रयागराज में पानी पहुंचा तो वह बाढ़ का रूप ले लिया था। यमुना के सापेक्ष शुक्रवार को गंगा का पानी धीमी गति से बढ़ा था। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए। सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया था। गंगा-यमुना का जलस्तर लगातार खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा था। सिंचाई विभाग का बाढ़ खंड इसकी निगरानी कर रहा था। यहां खतरे का निशान 84.73 मीटर है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार रविवार को दोपहर 12 बजे की गई निगरानी के अनुसार फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में वृद्धि जारी रही। यहां पर जलस्तर 83.88 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से कुछ ही नीचे है। इसी तरह छतनाक में गंगा जलस्तर 83.09 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। इसी तरह नैनी में यमुना का चलस्तर 83.71 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। गंगा और यमुना करीब 10 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही हैं। खतरे का निशान 84.734 मीटर है। बाढ़ नियंत्रण इकाई की बुलेटिन के अनुसार गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। बाढ़ का पानी लगातार बस्तियों में बढ़ता जा रहा है।

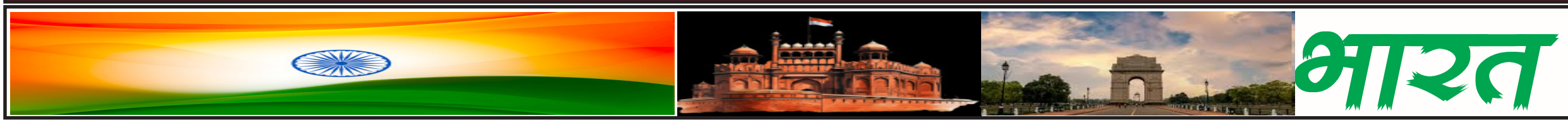

संक्षिप्त समाचार

नवाब मलिक के दामाद कार दुर्घटना का घायल सिर में चोटें आईं फिलहाल आईसीयू में भर्ती

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता नवाब मलिक के दामाद की कार दुर्घटना का शिकार हो गई। जानकारी के मुताबिक, समीर खान कुर्ला में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। नवाब मलिक की बेटी और दामाद एक अस्पताल में नियमित जांच के बाद लौट रहे थे। मुंबई पुलिस ने बताया कि जब वे कार में बैठ रहे थे, तो कार चालक ने गलती से एक्सीलेटर दबा दिया और कार दीवार से जा टकराई। समीर खान के सिर में चोटें आई हैं और वह फिलहाल आईसीयू में हैं।

आतिशी के मुख्यमंत्री बनने पर दिल्ली भाजपा में बड़े बदलाव के संकेत

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आतिशी के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा भी महिला ब्रिगेड को आगे बढ़ाने की रणनीति तैयार करेगी क्योंकि महिला मुख्यमंत्री पर विपक्ष का वार उलटा सहानुभूति वाला पड़ सकता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा और आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने के दांव ने सभी को चौंका दिया है। परिस्थितियां कमोबेश वैसी ही हैं, जैसी कुछ साल पहले थीं, जब भाजपा ने इसी तरह का पासा फेंका था। 1998 के विधानसभा चुनाव के कुछ महीने पूर्व ही दिवंगत सुषमा स्वराज को भाजपा ने दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया था। हालांकि उस दौरान प्याज की बढ़ी हुई कीमत की वजह से कांग्रेस की शीला दीक्षित की कमान में भाजपा की सियासी पारी खत्म हो गई और वह वनवास 26 साल बाद भी नहीं खत्म हो पाया है। आतिशी की पारी से दिल्ली में एक बार फिर से सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी में इस बदलाव के बाद दिल्ली भाजपा में भी बड़े बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। आतिशी के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा भी महिला ब्रिगेड को आगे बढ़ाने की रणनीति तैयार करेगी क्योंकि महिला मुख्यमंत्री पर विपक्ष का वार उलटा सहानुभूति वाला पड़ सकता है। आप के इस कदम से कांग्रेस और भाजपा के लिए आधी आबादी को साधना आसान नहीं होगा। आम आदमी पार्टी भले ही अरविंद केजरीवाल के नाम पर विधानसभा चुनाव में उतरेगी लेकिन मुखौटा बतौर मुख्यमंत्री आतिशी ही रहेंगी। लिहाजा कयास लगाया जा रहा है कि इस साल का विधानसभा चुनाव भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के चेहरे की जगह किसी महिला नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा पेश कर लड़े। रणनीतिकारों की मानें तो दिल्ली में एक बार फिर से पुराना इतिहास दोहराया गया है। 26 साल पहले साहिब सिंह वर्मा के इस्तीफे के बाद सुषमा स्वराज को मुख्यमंत्री बनाया गया था।

डॉक्टरों का काम पर लौटने से इनकार; सात घंटे चली बैठक के बाद बोले- ये तब तक जारी रहेगा जब तक

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में जूनियर डॉक्टर फिलहाल अपना विरोध प्रदर्शन खत्म नहीं करेंगे। मंगलवार देर रात को हुई बैठक के बाद जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि भले ही मनोज कुमार वर्मा को कोलकाका का नया पुलिस कमिश्नर बना दिया गया है, लेकिन वे अपना प्रदर्शन तब तक जारी रखेंगे, जब तक कि उनकी सभी मांगे नहीं पूरी हो जातीं। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात को शासी निकाय के साथ करीबन सात घंटे चली बैठक के बाद जूनियर डॉक्टरों ने प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब तक हमारी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, आंदोलन और काम बंद जारी रहेगा। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार के साथ नए सिरे से बातचीत की भी इच्छा जाहिर की। आंदोलन कर रहे डॉक्टरों का यह बयान उनकी आम सभा की बैठक के बाद आया। इसमें उन्होंने ममता बनर्जी द्वारा उठाए गए कदमों को अपने आंदोलन की ठआंशिक जीतठ बताया। बता दें कि डॉक्टरों की बैठक मंगलवार शाम करीब छह बजे शुरू हुई थी जो बुधवार तड़के एक बजे समाप्त हुई। जारी बयान में डॉक्टरों ने राज्य के स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम को हटाने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें इस पर कार्रवाई का

आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि दिन निकलने के बाद वे मुख्य सचिव मनोज पंत को एक ईमेल भेजेंगे और दिन में एक और बैठक के लिए सीएम से मिलने का समय मांगेंगे। आगे उन्होंने अस्पताल परिसर के अंदर डॉक्टरों की सुरक्षा पर भी चर्चा की मांग की। साथ ही कहा कि सुरक्षा के विषय पर चर्चा में यह भी शामिल किया जाए कि सरकार सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा कड़ी करने के लिए आवंटित 100 करोड़ रुपये कैसे खर्च करना चाहती है। इसके अलावा, डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेजों में मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली टास्क फोर्स की तत्काल अधिसूचना की भी मांग की। जिसका वादा सोमवार को ममता बनर्जी के आवास पर हुई बैठक में किया गया था। उन्होंने छात्र निकाय चुनाव कराने और उन संस्थानों के सर्वोच्च नीति-निर्धारक निकायों में जूनियर डॉक्टरों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की भी मांग की।इससे पहले, सोमवार को सीएम ममता बनर्जी ने आंदोलनरत डॉक्टरों के साथ बैठक के बाद पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को हटाने के फैसले की घोषणा की थी। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवा निदेशक (डीएचएस) देबाशीष हलदर, चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) कौस्तव नायक और कोलकाता पुलिस के उत्तरी डिवीजन के उपायुक्त अभिषेक गुप्ता को भी बैठक के दौरान बनर्जी के वादे के अनुसार हटा दिया गया। इसके बाद मंगलवार को मनोज कुमार वर्मा को कलकत्ता का नया कमिश्नर बनाया गया था। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने एलान किया था कि सरकार ने डॉक्टरों की 99 फीसदी मांगे मान ली है। शेष मांगों पर हम विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि जूनियर डॉक्टर तीन लोगों को हटाने की मांग कर रहे थे। इनमें से दो लोगों को पहले ही हटा दिया गया है। सरकार ने जूनियर डॉक्टरों की अस्पताल के बुनियादी ढांचे के विकास संबंधी सभी मांगें स्वीकार कर लीं है। ममता बनर्जी ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की भी अपील की थी और कहा कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। वहीं, सीएम से मुलाकात के बाद आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों की ओर से भी बयान सामने आया था। आंदोलनरत डॉक्टरों ने कहा था कि कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को हटाना हमारी नैतिक जीत है। साथ ही उन्होंने काम पर लौटने से इनकार कर दिया था। डॉक्टरों ने कहा था कि उनका प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा, जब तक कि बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा हमारी मांगों को पूरा करने का वादा पूरा नहीं हो जाता। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा वे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई का भी इंतजार कर रहे हैं। शीर्ष कोर्ट में सुनवाई करने के बाद ही कोई अंतिम फैसला लिया जाएगा।

म्यांमार सीमा पर बिना वीजा प्रवेश नहीं, लगेगी 1500 किमी लंबी बाड़ घुसपैठ रोकने को एफएमआर को किया रद्द

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन की उपलब्धियां गिनाते हुए गृह मंत्री शाह ने मीडिया

से बातचीत में कहा कि बीते सप्ताह तीन दिन की हिंसा छोड़ मणिपुर में स्थिति शांतिपूर्ण है। सरकार शांति बहाली में जुटी हुई है। शाह ने कहा, रोडमैप तैयार है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार मणिपुर में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए मैतेई व कुकी समुदायों से लगातार बात कर रही है। साथ ही म्यांमार से घुसपैठ रोकने के लिए बिना वीजा प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है। 30 किमी में बाड़ लग चुकी है। 1,500 किमी से अधिक सीमा पर बाड़ लगाई जाएगी। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन की उपलब्धियां गिनाते हुए गृह मंत्री शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बीते सप्ताह तीन दिन की हिंसा छोड़ मणिपुर में स्थिति शांतिपूर्ण है। सरकार शांति बहाली में जुटी हुई है। शाह ने कहा, रोडमैप तैयार है। शांति सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर जाने के सवाल पर शाह ने कहा कि जब वह राज्य का दौरा करेंगे तो सभी को इसकी जानकारी हो जाएगी।सरकार ने पहले ही भारत-म्यांमार मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफएमआर) को खत्म कर दिया है। इसके तहत दोनों देशों के बीच सीमा के करीब रहने वाले लोगों को बिना किसी दस्तावेज के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किमी तक जाने की अनुमति थी। अब लोग वीजा के साथ ही एक-दूसरे के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले दिनों में इसे संसद में पारित कर दिया जाएगा। यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को भी रोकेगा। -अमित शाह, गृह मंत्री।

कॉलेजियम ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति प्रस्ताव में किया बदलाव; केंद्र के पास है लंबित

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाईकोर्ट के लिए चीफ जस्टिस की नियुक्ति से संबंधित 11 जुलाई के अपने प्रस्ताव में बदलाव किया है। कॉलेजियम ने उस दिन कुल 7 हाईकोर्ट के लिए चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की थी, जो अभी केंद्र सरकार के पास लंबित है। कॉलेजियम ने जस्टिस सुरेश कुमार कैत, जस्टिस जीएस संधवालिया और जस्टिस ताशी रबस्तान की नियुक्ति के संबंध में अपनी सिफारिशों में बदलाव करने का निर्णय लिया। जस्टिस कैत को पहले जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई थी, अब उन्हें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।

अखिलेश यादव बोले सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बुलडोजर की विध्वंसक राजनीति लगी किनारे

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में हुई कई बुलडोजर कार्रवाई पर जब कभी न्यायालय विचार करेगा तो सरकार पर ही कार्रवाई होगी। राज्य सरकार ने लगा दिया है। उन्होंने तंज किया कि अब बुलडोजर के पहिए खुल गए हैं और स्टीयरिंग हत्थे से उखड़ गया है। ये उनके लिए पहचान का संकट है जिन्होंने बुलडोजर को अपना प्रतीक बना लिया था। अब न बुलडोजर चल पाएगा, न उसको चलवाने वाले। दोनों की पार्किंग का समय आ गया है। सुप्रीम फैसले से बुलडोजरी सोच का ही ध्वस्तीकरण हो गया है। अब क्या वे बुलडोजर का भी नाम बदल कर उसका दुरुपयोग करेंगे? ये जनता का सवाल ही नहीं, एक बड़ी आशंका भी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हुई कई बुलडोजर कार्रवाई पर जब कभी न्यायालय विचार करेगा तो सरकार पर ही कार्रवाई होगी। राज्य सरकार ने लोगों को डराने के लिए बुलडोजर चलवाया है। विपक्ष और जनता की आवाज को दबाने के लिए दुरुपयोग किया गया। यूपी सरकार और भाजपा के लोग बुलडोजर को इतना महिमा मंडित कर रहे थे कि जैसे बुलडोजर ही न्याय है।

लोगों को डराने के लिए बुलडोजर चलवाया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई असांविधानिक है। फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि अब उम्मीद है कि बुलडोजर कार्रवाई हमेशा के लिए बंद हो जाएगी। मंगलवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि न्याय के सर्वोच्च आदेश ने बुलडोजर ही नहीं, बल्कि इसका दुरुपयोग करने वालों की विध्वंसक राजनीति को भी किनारे

एंटीबायोटिक प्रतिरोध से 25 वर्षों में हो सकती हैं चार करोड़ मौतें

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एंटीबायोटिक प्रतिरोध

तब होता है जब कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के प्रभाव से बचने के लिए विकसित हो जाता है। ऐसा होने पर एंटीबायोटिक दवाएं बैक्टीरिया के आगे बेअसर हो जाती हैं। एंटीबायोटिक प्रतिरोध के चलते अगले 25 साल में दुनियाभर में करीब चार करोड़ लोगों की मौत हो सकती है। द लांसेट मेडिकल जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने साल 1990 से 2021 के बीच करीब 31 साल के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद यह अनुमान लगाया है।एंटीबायोटिक प्रतिरोध तब होता है जब कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के प्रभाव से बचने के लिए विकसित हो जाता है। ऐसा होने पर एंटीबायोटिक दवाएं बैक्टीरिया के आगे बेअसर हो जाती हैं। शोधकर्ताओं का यह अनुमान 204 देशों के सभी आयु वर्ग के करीब 52 करोड़ से ज्यादा लोगों के चिकित्सा दस्तावेज के आधार पर निकाला है। यूके में ग्लोबल रिसर्च ऑन एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (जीआरएएम) प्रोजेक्ट के तहत इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं के प्रतिरोध से साल 2050 तक करीब 3.90 करोड़ लोगों की मौत हो सकती है। वहीं, यह प्रतिरोध अप्रत्यक्ष रूप से अतिरिक्त 1.69 करोड़ मौतों का कारण बन सकता है। अगर समय रहते सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो 2050 तक वार्षिक मृत्यु दर क्रमशः 82 लाख का आंकड़ा पार कर सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, साल 2022 में एंटीबायोटिक प्रतिरोध के कारण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से होने वाली मौत में क्रमशः 68 फीसदी और 75 फीसदी की वृद्धि हुई है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश सहित दक्षिण एशिया में साल 2050 तक इसके कारण करीब 1.18 करोड़ लोग की मौत हो सकती है। एंटीबायोटिक प्रतिरोध के कारण होने वाली मौतें दक्षिणी और पूर्वी एशिया और उप-सहारा अफ्रीका के अन्य हिस्सों में भी अधिक होंगी।इसके अलावा, 1990 और 2021 के बीच के रुझानों से पता चलता है कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध के कारण होने वाली मौत में 80 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है और भविष्य में यह बुजुर्गों को अधिक प्रभावित करती रहेगीशोधकर्ताओं के मुताबिक, अगर समय रहते रोकथाम पर ध्यान दिया जाए तो काफी संख्या में लोगों की जिंदगियों को बचाया जा सकता है। गंभीर संक्रमणों के लिए बेहतर देखभाल, संक्रमणों को रोकने के लिए नए टीके और एंटीबायोटिक के उपयोग को उचित मामलों तक सीमित रखने वाले अधिक विवेकपूर्ण चिकित्सा प्रोटोकॉल तक पहुंच से 2025 और 2050 के बीच कुल 9.20 करोड़ लोगों के जीवन को बचाया जा सकता है।एंटीबायोटिक प्रतिरोध का यह अध्ययन संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक से पहले जारी हुआ है। यह बैठक आगामी 26 सितंबर को होने वाली है, जिसमें दुनियाभर के सदस्य देश एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बोझ से बाहर आने के उपायों पर चर्चा करेंगे।ब्रिटेन में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध पर संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समन्वय समूह की सदस्य प्रो. डेम सैली डेविस ने कहा कि पूरी दुनिया एक एंटीबायोटिक आपातकाल का सामना कर रही है, जिसकी वजह से दुनियाभर के परिवारों और समुदायों को विनाशकारी मानवीय नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अनसुलझे सवाल- कहां है बैगष्ठकब हुई हत्या, एक ने कॉल की बात कबूली

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में कोचिंग को निकली हाईस्कूल छात्रा की अगवा करने के बाद ईंट से कूंचकर हत्या कर दी गई थी। मामले में साक्ष्य जुटाने के लिए कानपुर से बुलाई फोरेंसिक टीम ने कार के सैंपल लिए है।फतेहपुर जिले के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में गर्भवती छात्रा की हत्या के मामले

में तीसरे दिन पकड़े गए संदिग्धों ने कई राज उगले है। संदिग्ध की कार से साक्ष्य संकलन के लिए कानपुर से फोरेंसिक टीम बुलाई है। करीब दो घंटे तक टीम साक्ष्य संकलन में जुटी रही। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की हाईस्कूल छात्रा शनिवार शाम कोचिंग के बहाने घर से निकली थी। उसका बिंदकी बाईपास जाफराबाद गांव के पास रविवार सुबह बाग किनारे से हत्या कर फेंका शव बरामद हुआ था। मामले में पुलिस ने एक सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी के पुत्र और उसके दोस्त व परिवार के एक करीबी को हिरासत में लिया है।प्रशासनिक अधिकारी के पुत्र की कार घटना में इस्तेमाल किए जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। सीडीआर से प्रशासनिक अधिकारी के पुत्र व छात्रा के बीच बातचीत होना स्पष्ट हुआ है। प्रशासनिक अधिकारी के पुत्र की कार में कीचड़ और नंबर प्लेट छिपाने को मिट्टी का उपयोग होना बताया जा रहा है। बिंदकी सर्किल के एक दूसरे थाने में प्रशासनिक अधिकारी के पुत्र और उसके दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। टीमों की कड़ी पूछताछ में संदिग्धों ने कई राज उगले हैं। इसके अलावा परिवार के एक करीबी को पकड़ा है। तीनों पुलिस को अलग-अलग कहानी बता रहे हैं। घटनाक्रम पूरी तरह से मेल नहीं खा पा रहा है। प्रशासनिक अधिकारी के पुत्र की कार से साक्ष्य जुटाने के लिए कानपुर से फोरेंसिक टीम बुलाई गई। पुलिस ने कार की गहनता से करीब दो घंटे तक जांच के बाद सैंपल लिए है। कानपुर जोन की फोरेंसिक टीम ने कार के डोर हैंडल, स्टेयरिंग, सीट, डैशबोर्ड के फिंगरप्रिंट के नमूने लिए। एसपी धवल जायसवाल ने बताया कि हत्याकांड का आने वाले 24 घंटे में हर हाल में खुलासा किया जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक प्रशासनिक अधिकारी के पुत्र से छात्रा के परिजनों के मोबाइल पर बातचीत होने का पता लगा है। बातचीत मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉलिंग पर होती थी।

भाजपा अध्यक्ष बोले- अपराधियों में जाति तलाश रहा विपक्ष, जनता को पीएम पर भरोसा

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मोदी सरकार

के तीसरे कार्यकाल के 100 दिनों की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने योगी सरकार की भी तारीफ की और कहा कि योगी सरकार की अपराधियों के प्रति जीरो टालरेंस की नीति है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि विपक्ष अपराधियों में जाति को तलाश रहा है। योगी सरकार की अपराधियों के प्रति जीरो टालरेंस की नीति है। विपक्ष की विभेदकारी व संविधान विरोधी नैरेटिव को जनता ने नकार दिया है। इमरजेंसी लगाने वाली कांग्रेस और इंडी गठबंधन का झूठ जनता जान चुकी है। जनता को पीएम मोदी और उनके कामों पर भरोसा है। वह केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में नरेंद्र मोदी पहले ऐसे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें जनता ने लगातार तीसरी बार बागडोर सौंपी है। वह भारत के इकलौते ऐसे नेता हैं, जो 22 साल से लगातार जनसेवा व जन सरोकारों से जुड़े हैं। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार का पिछले 10 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। पूरे विश्व में भारत का मान सम्मान बढ़ा है।चौधरी ने कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने 15 लाख करोड़ रुपये की योजनाएं शुरू की। टैक्स राहत दी और किसानों के खाते में तीन लाख करोड़ रुपये भेजने का काम किया है। आज देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत है। देश में 60 साल बाद राजनीतिक स्थिरता का माहौल बना है। विदेश नीति मजबूत हुई है, जो 10 वर्ष पहले गायब हो गई थी। आज हर वैश्विक मंच पर भारत को सुना जाता है। आज 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, यह सबसे बड़ी उपलब्धि है।

शिवसेना विधायक गायकवाड ने कांग्रेस नेताओं के लिए फिर कहे अपशब्द; राहुल को लेकर दिया था विवादित बयान

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। शिवसेना विधायक ने राहुल गांधी के अमेरिका में आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर नाराजगी जताई और राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड ने राहुल गांधी के बाद एक बार फिर कांग्रेस नेताओं के लिए अभद्र टिप्पणी की है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वे कहते दिख रहे हैं कि बुलढाणा में मुख्यमंत्री लड़की बहिन योजना कार्यक्रम कांग्रेस के किसी 'कुत्ते' ने घुसने की कोशिश की तो उसे मौके पर ही गाड़ दिया जाएगा। इससे पहले, बुलढाणा से विधायक गायकवाड ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जीभ काटकर लाने वाले को 11 लाख रुपये इनाम देने की घोषणा की थी, जिस पर सियासी

तूफान मचा है। गायकवाड का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह कहते हुए सुने जा रहे हैं कि उनके जिले में महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री लड़की बहिन योजना कार्यक्रम होना है। इसमें मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष एकनाथ शिंदे शामिल होंगे। अगर इस कार्यक्रम में कांग्रेस के किसी 'कुत्ते' ने घुसने की कोशिश की तो उसे मौके पर ही गाड़ दिया जाएगा। आरक्षण प्रणाली खत्म करने पर राहुल की टिप्पणी को लेकर उन्होंने कांग्रेस नेता की जीभ काटने पर इनाम की घोषणा की थी। इस विवाद पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैंने अपने बयान पर माफी नहीं मांगी है तो मुख्यमंत्री को माफी क्यों मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह अपने बयान पर कायम हैं। जो कोई भी आरक्षण खत्म करने की बात करेगा वह उसके खिलाफ बोलेंगे।महाराष्ट्र में शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। शिवसेना विधायक ने राहुल गांधी के अमेरिका में आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर नाराजगी जताई और राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। हालांकि महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना की सहयोगी पार्टी भाजपा ने संजय गायकवाड़ के बयान से किनारा कर लिया। वहीं, गायकवाड़ की इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुलढाणा शहर पुलिस स्टेशन पर धरना देकर प्रदर्शन किया, जिसके बाद सोमवार को बुलढाणा पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शिवसेना विधायक गायकवाड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। एक अधिकारी ने बताया कि गायकवाड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351 (2) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।संजय गायकवाड़ ने पहली बार विवादत बयान नहीं दिया है। इससे पहले भी वह कई बार विवादों में फंस चुके हैं। बीते महीने एक पुलिसकर्मी द्वारा विधायक की गाड़ी धोने का वीडियो सामने आया था। विवाद होने पर विधायक ने कहा था कि पुलिसकर्मी ने गाड़ी के भीतर उल्टी कर दी थी और वह अपनी मर्जी से गाड़ी को साफ कर रहा था। फरवरी में संजय गायकवाड़ ने कहा था कि साल 1987 में उन्होंने एक शेर का शिकार किया था और उसके दांत को आज भी गले में पहनते हैं। इसके बाद वन विभाग ने शेर के कथित दांत को फोरेंसिक जांच के लिए भेजकर विधायक के खिलाफ वन सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया था।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

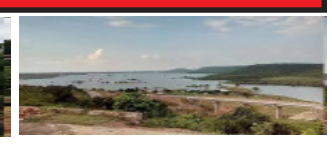

कजरी महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन कई जिलों के बड़े कलाकार ने किया मंच साझा

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र ।सोन घाटी सोन माटी के सोन धरा पर भव्य एवं दिव्य कजरी महोत्सव का आयोजन संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश,उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ,भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ,राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र,जिला प्रशासन सोनभद्र के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज चुर्क के प्रांगण में 17 सितंबर 2024, दिन मंगलवार को सम्पनन हुआ .मुख्य अतिथि जिलाधिकारी बद्री नाथ सिंह, निदेशक उत्तर प्रदेश लोक कला एवं जनजाति संस्कृति संस्थान अतुल द्विवेदी,इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक जी एस तोमर एवं पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी, डॉ अंजलि विक्रम सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कजरी गायन में आश्रया द्विवेदी प्रयागराज व राकेश उपाध्याय गोरखपुर द्वारा प्रस्तुति दी गई। कजरी गायन एवं नृत्य फगुनी देवी मीरजापुर, करमा, डोमकच, झूमर नृत्य नाटिका आशा देवी सोनभद्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार से कजरी गायन एवं नृत्य विन्ध्य कन्या सनतकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तथा नृत्य नाटिका शिवानी मिश्रा वाराणसी द्वारा प्रस्तुति की गई. सभी सम्मानित कलाकारों को जिलाधिकारी सोनभद्र बद्रीनाथ सिंह , निदेशक लोक कला एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ अतुल द्विवेदी , पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी, धनंजय पाठक, डॉ अंजलि विक्रम सिंह, जी एस तोमर, अजय कुमार सिंह के द्वारा सम्मानित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री बद्री नाथ सिंह ने कहा की कि भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता पर आधारित ऐतिहासिक, पौराणिक,सांस्कृतिक विंध्य पर्वत की श्रृंखलाओं के हृदय तल पर स्थित

पवित्र धरा पर भव्य एवं दिव्य,सुसज्जित तरीके से कजरी के महत्व को पहुंचाने का प्रयास सभी के सहयोग से किया गया . कजरी एक ऐसा कार्यक्रम है जो कजरी पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध लोकगीत है। कजरी की उत्पत्ति सोनभद्र व मिर्जापुर से मानी जाती है। सोनभद्र व मिर्जापुर पूर्वी उत्तर प्रदेश में सोन व गंगा के किनारे बसा जिला है। यह वर्षा ऋतु का लोकगीत है। इसे सावन व भादो के महीने में गाया जाता है। अतुल द्विवेदी ने कहा कि यह अर्ध-शास्त्रीय गायन की जीवंत शैली के रूप में भी विकसित हुआ है और यह गायन केवल बनारस घराने तक ही सिमित होता जा रहा है।कजरी गीतों में वर्षा ऋतु का वर्णन विरह-वर्णन तथा राधा-कृष्ण की लीलाओं का वर्णन अधिकतर मिलता है। कजरी की प्रकृति क्षुद्र है। इसमें श्रृंगार रस की प्रधानता होती है। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक जी0एस0तोमर ने कहा की उत्तरप्रदेश पूर्वांचल में कजरी गाने का प्रचार खूब पाया जाता है। यह लोकगीतों में से जीवंत शैली है कजरी, जिसके जरिए महिलाएं अपने संबंधों को सहेजती हैं. इसमें पति-पतनै के बीच श्रृंगार, प्रेम, विरह की बातों को गीतों के माध्यम से बताया जाता है, तो वहीं ननद-भाभी, सास-बहू, देवर-भाभी के प्रेम को भी खूबसूरत भाव के साथ प्रस्तुत किया जाता है. पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा की उत्तर प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन की अनोखी पहल है गौरव का विषय यह है कि इस बार कजरी महोत्सव सोनभद्र के चुर्क में स्थित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज प्रांगण में आयोजित हुआ है पूरे पूर्वांचल का लोक परंपरा लोकगीतों से गहरा नाता है. जहां आज भी परंपराओं में लोकगीत जीवंत नजर आते हैं. इन्हीं लोकगीतों में से एक जीवंत शैली है कजरी, महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना के साथ कजरी गीत को गाती है. बताया कि कजरी एक विधा नहीं बल्कि वह जीवंत शैली है, जिसके जरिए महिला अपने प्रेम वेदना श्रृंगार को बयां करती है. कजरी को लेकर पुरानी कहानियों में अलग-अलग मान्यताएं हैं, अलग अलग स्वरूप है. इसमें जहां पति-पतनै के बीच प्रेम के रिश्तों को बताया गया है, तो वहीं पति के दूर जाने पर नवविवाहिता के विवाह की भी बातें कही गई हैं. डॉ अंजलि विक्रम सिंह ने कहा कि ने कहा की कजरी के माध्यम से ननद-भाभी के नटखट रिश्ते, देवर भाभी के बीच के पवित्र संबंध, सास बहू के बीच की नोकझोंक को भी बताया गया है.उन्होंने बताया कि कजरी की शुरुआत सोनभद्र मिर्जापुर बनारस से मानी जाती है. डेढ़ सौ साल पहले जब पति नौकरी के लिए दूर देश चले जाते थे तो ऐसे में महिलाएं अपनी विरह वेदना गीतों के जरिए गाती थीं. इसलिए उसका नाम कजरी पड़ा. यह भी कहा जाता है कजलवंती देवी चरणों में बैठकर कजरी नाम की महिला अपने दर्द को रो-रो कर बयां करती थीं, इसलिए भी इसका नाम कजरी पड़ा. बारिश व हरियाली के मौसम को उत्सुकता से मनाने की कला को भी कजरी कहा गया है. इसकी अनेक परिभाषा हैं. लेकिन इन सब में एक परिभाषा है कि नवविवाहित के सम्बंध और रिश्तों का आईना ही कजरी है.कजरी तीज पर महिलाएं करती है कजरी तीज का अलग महत्व है. महिलाएं पति के दूर जाने से दुखी तो हैं, लेकिन उनके स्वस्थ रहने की कामना भी करती हैं. यही वजह है की कजरी तीज का प्रावधान है, जहां महिलाएं सोलह श्रृंगार कर अखंड सौभाग्य के कामना के साथ पूजा अर्चना करती हैं, गीत गाती हैं और अपने पति को याद करती है. वर्तमान स्वरूप में भी कजरी विद्यमान है, यही वजह है कि महिलाएं गांव में बाकायदा झूला डालकर पूरे सावन भर कजरी गीत को गाती है. कार्यक्रम अतुल द्विवेदी, जीएस तोमर, आलोक कुमार चतुर्वेदी, धनंजय पाठक, डॉ अंजलि विक्रम सिंह, अजय कुमार सिंह,शेषनाथ चौहान,रमाशंकर यादव,अपर जिला पंचायत राज अधिकारी,विनय कुमार सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

जिले भर में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र ।मंगलवार को जिले में धूमधाम से मनाया गया भगवान विश्वकर्मा जयंती इस मौके पर जुड़े लोग होते हैं। विश्वकर्मा जयंती पर लोग अपने औजारों, मशीनों और उपकरणों की पूजा करते हैं, ताकि उनका कार्य सुचारू रूप से

जनपद भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। तमाम फैक्ट्री व संस्थानों में इंस्ट्रूमेंट की पूजा की गई। भगवान विश्वकर्मा को सृजन और निर्माण का प्रतीक माना जाता है। उनके अनुयायी विशेष रूप से कारीगर, शिल्पकार, इंजीनियर्स और विभिनन्-निर्माण से चले और सफलता मिले। इस वर्ष विश्वकर्मा पूजा पर रवि योग का संयोग बना हुआ था। आचार्य सौरभ कुमार भारद्वाज ने बताया कि मूहर्त सुबह 6 बजकर 7 मिनट पर शुरू होकर दोपहर 1 बजकर 52 मिनट तक रहा। आज सनातन धर्म इंटर कालेज हरदोई में वास्तु कला कौशल में सर्वश्रेष्ठ एवं श्रृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। आचार्य सौरभ कुमार ने विश्वकर्मा जी के चित्र और सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर विधि-विधान से पूजन कर और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वही जयंती पर फैक्ट्री और संस्थानों में इंस्ट्रूमेंट की पूजा हुई, कार्य में समृद्धि की कामना की हरदोई2 घंटे पहले इस वर्ष विश्वकर्मा पूजा पर रवि योग का संयोग बना हुआ था। मूहर्त सुबह 6 बजकर 7 मिनट पर शुरू होकर दोपहर 1 बजकर 52 मिनट तक रहा। आज वास्तु कला कौशल में सर्वश्रेष्ठ एवं श्रृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। श्री ने विश्वकर्मा जी के चित्र और सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर विधि-विधान से पूजन कर और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वही अनन्या फूड किंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और अन्य रुप में विश्वकर्मा का पूजन करते हु हमारे अनन्या ग्रुप के चेयरमैन अमरीश जायसवाल और अमित जायसवाल अतिथि कौशल शर्मा , किशोरी सिंह बंधुओं के साथ अनन्या ग्रुप के स्टाफ ,राजू , महेंद्र केसरी ,रोहित पांडे शुभम ,और मील के सभी स्टाफ के साथ संपनन् हुआ। इस दौरान सैकड़ो श्रद्धालुओं को भंडारा कर प्रसाद वितरण किया गया।

भाजपाइयों ने पौधरोपण कर मनाया पीएम मोदी का जन्मदिन

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र ।विश्व में सबसे लोकप्रिय नेता भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र भाई मोदी के 74 वें जन्मदिवस पर भाजपा सोनभद्र ने विभिनन्-कार्यक्रम आयोजित कर

धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ उनका जन्मदिन मनाया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष नन्दलाल के नेतृत्व में लोढी हनुमान मंदिर के प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्यअतिथि महेश चन्द्र श्रीवास्तव के आगमन के पश्चात् सर्वप्रथम हनुमान चालिसा का पाठ एवं वृक्षारोपण किया। इसी क्रम में संयुक्त चिकित्सालय लोढ़ी में जरुरतमंद मरीजों को फल इत्यादि सामग्री बांटा गया। और 74वें जन्मदिवस पर रक्तदान करते हुए 51 किलो मिष्ठान वितरण कर जन्मदिन मनाया गया, तत्पश्चात् दीघार्यु होने की कामना की गयी। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि आज ऐसे मनीषी का जन्म दिवस है जिसने देश को नई दिशा दिया देश का वास्तविक शिल्पकार है, उनके जन्म दिवस पर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलने वाले कार्यक्रम में रक्तदान शिविर, मिष्ठान वितरण, फल वितरण, निबंध प्रतियोगिता, प्रदर्शनी, आयुष्मान कार्ड, निः शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, रंगोली, कला, ड्राइंग भाषण, रेत कला प्रतियोगिता, ग्राफिक्स डिजाइन एवं आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत 2047 और वोकल फार लोकल प्रसंगों पर आधारित प्रशनेत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित कि जायेंगी। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जायेगा एवं कहा कि किसानो के लिए नीम कोटेड यूरिया, किसान सम्मान निधी, किसान की आय दोगुनी करने के लिए तमाम योजनाओं को भाजपा सरकार ने किसान हित में लागू किया है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि जब एक मजदूरी करने वाले का लड़का नरेंद्र मोदी के रूप में देश की सवीच्च सदन का नेतृत्व करने जाता है तो पहले धरती माता व देश के संविधान को प्रणाम करता है, जो देश के विपक्षी कांग्रेस के लोगो को रास नही आया। और आगे कहा कि धारा 370 समाप्त हुआ, राम मंदिर बन गया है, आज भारत बदला है 2014 के पहले के भारत और बाद के भारत को आज देख लें, उत्तर प्रदेश भी बदला है 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश और बाद का उत्तर प्रदेश देख लें, ग्रामीण शौचालय, आवास, प्राथमिक विद्यालय आदि को देखने से प्रतीत होता है, कि भारत का गांव बदला है, आपके सहयोग से आज भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी अनिल सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, चेयरमैन रुबी प्रसाद, सदर प्रमुख अजीत रावत, जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्या, जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता, रामसुन्दर निषाद, अनूप तिवारी, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा विशाल पाण्डेय, विनय श्रीवास्वत, रजनीश रघुवंशी, बलराम सोनी, राघो सिंह, अतुल पाण्डेय, बृजेश श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह, गुडिया त्रिपाठी, गोपाल सिंह, आलोक पाण्डेय, आशीष केशरी, प्रिंस पाण्डेय, संदीप सिंह, कृष्णा पटेल सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ढूढ रहे हम अपना प्यारा हिंदुस्तान:प्रदुम्न त्रिपाठी

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र ।शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में विश्वकर्मा पूजा मंगलवार दोपहर दिवाकर द्विवेदी मेघ जन्म दिवसोत्सव के उपलक्ष्य में नगर स्थित उनके आवास पर सरस काव्य संध्या का

आयोजन किया गया अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेंद्र व मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश त्रिपाठी सदस्य किशोर न्याय बोर्ड सोनभद्र रहे। वाग्देवी सरस्वती को दीप जलाकर माल्यार्पण पश्चात वाणी वंदना करते हुए संयोजक दिवाकर द्विवेदी मेघ ने,, मां शारदे वरदान दो तव स्मरण करते रहें, तेरे चरण की वंदना हम सब सदा करते रहें सुनाकर विधिवत शुभारंभ किया , संचालन कर रहे शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के निदेशक प्रदुमन्-त्रिपाठी एडवोकेट ने सरहद के पहरेदारों को यह मेरा पैगाम जाये। देश खड़ा है साथ आपके ए मेरा पैगाम जाये। सुनाकर वीर रस का संचार किये।ओज के सशक्त हस्ताक्षर प्रभात सिंह चंदेल ने,, कर सौम्यता सरलता को स्वयं में समाहित लिखती है हिंदी प्रभुताई प्रभु राम की,,, हिंदी पर रचना सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर विबस कर दिया। दयानंद दयालू ने लोकभाषा भोजपुरी में विश्वकर्मा बाबा पूजीला चरनियां तोहार और पलक झपकत में दुनिया बना देले सुनाया और सराहे गये।ओज की सशक्त कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने राष्ट्रवाद की बात करते हुए, पुष्प बनकर मैं खुश्बू लुटाती रहूं कांटे दामन में अपने छिपाती रहूं शारदे शक्ति दे जागरण नित करूं राष्ट्र हित मे सदा गीत गाती रहूं सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। धर्मेश चौहान एड ने समरसता एकता अखंडता सदभावना की बात कर देश को नमन किया लहरे तिरंगा सदा आसमान में,,,,सुना देश को प्रणाम किया।हास्य-व्यंग्य कविताएं जयराम सोनी ने सुनाया नहीं मंजिल कोई जो खुद से पास आती है सुनाया। दिवाकर द्विवेदी ने बीए पढै लागल बा बेटौवा सुनाया और खूब हंसाया।उनको ने अपनी शायरी, किसी से जीवन में उतना ही फासला रखना सामना, होने पर मिलने का हौसला रखनाइस अवसर पर मेघ का सारस्वत अभिनंदन किया गया। सुनाकर गंभीर शायरी दिया।मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश त्रिपाठी ने, ढूढ रहे हम अपना प्यारा हिंदुस्तान सुनाया और आशीर्वाद जन्म दिन पर मेघ को दिये। अध्यक्षता करते हुए हिंदी साहित्य पत्रिका असुविधा के संपादक कथाकार रामनाथ शिवेंद्र ने सफल कविगोष्ठी व मेघ के जन्म दिवस की बधाई देते हुए अपनी रचना ,,सवाल जब धधकते है आग की तरह,,, फिर जबाबों में होते तहजीब नहीं सुनाकर आयोजन के समापन की घोषणा किए। इस अवसर पर रिषभ शिवमोचन फारुख अली हाशमी ठाकुर कुशवाहा शिखा मृत्युंजय दिलीप सिंह दीपक आदि रहे।

बाढ़ क्षेत्र में सदर एसडीएम ने किया निरीक्षण

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । बीते 24 घंटे से हो रही आंधी पानी के साथ बरसात से जिला मुख्यालय स्थित कई जगहों पर बाढ़ की स्थिति उत्पनन् हो गई है कई गांव में पानी के बहन से घर डूब गए है जिससे

काफी जान्हा हुई है वहीं मंगलवार को सदर उप जिलाधिकारी आईएएस उत्कर्ष द्विवेदी एवं तहसीलदार अमित कुमार सिंह द्वारा रॉबर्ट्सगंज के साथ क्षेत्र भ्रमण किया गया जिसमें ग्राम सिलहट, नगवा आदि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में साथ में अतिरिक्त उपजिलाधिकारी व आपदा विशेषज्ञ पवन कुमार शुक्ला निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से वार्ता कर उनके समस्याओं का निजात करने को संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देशित किया गया वहीं श्री द्विवेदी ने बताया कि संबंधित तहसील क्षेत्र के सभी लेखपालों को ग्रुप मैसेज दे दिया गया है अपने-अपने क्षेत्र के आधार स्थिति को जांच कर रिपोर्ट तैयार करें जहां आपदा से जान्हा हुई है वहां तत्काल पहुंचकर सहायता उपलब्ध कारण किसी भी प्रकार से बड़ी अनहोनी ना उत्पन्न हो पाए इसके लिए ग्राम प्रधान संबंधित ग्रामीणों के सहयोग से समुचित उपाय व सहयोग उत्पन्न कराएँ जिस की किसी भी प्रकार से किसी भी ग्रामीण या जनमानस को मौसम की वजह से कोई कठिनाइयों का सामना करना पड़े।श्री द्विवेदी ने कहा कि किसी भी ग्रामीण किसी भी क्षेत्र के व्यक्ति के का घर गिरा हो या छत हुई हो तो अपना फोटोग्राफ का डिटेल संबंधित हल्का लेखपाल को उपलब्ध कारण जिससे कि उसकी सरकार द्वारा मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके।

भाजपा नेता ने लगाया ओबरा नगर पंचायत पर दूषित पानी सप्लाई करने व भ्रस्टाचार का आरोप

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

ओबरा / सोनभद्र । स्थानीय नगर पंचायत में वार्ड 3 गजराज नगर व वार्ड 5 सरदार पटेल नगर में लाखों

रुपए की लागत से लगे आर .ओ प्लांट जो कि सोलर से संचालित होता है वह नगर पंचायत के अधिकारियों की घोर लापरवाही की वजह से बर्बाद हो गया। इस संबंध मे भाजपा नेता विरेन्द्र मित्तल ने बताया कि ओबरा में कई जगह सोलर से संचालित होने वाले आर. ओ प्लांट लगाए गए है जिन्हे लगे हुए लगभग एक साल हो गया है किन्तु अभी तक संचालित नहीं किए जा सके है ,जिनमें लगी रख रखाव के अभाव में मशीन और बैट्री जर्जर अवस्था में है ।एक तरफ नगर पंचायत द्वारा लगातार नगर में गंदे पेय जल की सप्लाई की जा रही है । इसी क्रम में बतातें चलें कि अगर उक्त फिल्टर प्लांट चालू होता तो जनता को कुछ हद तक राहत मिल सकती थी । भाजपा नेता ने बताया कि जहां देश के यशस्वी प्रधानमन्त्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी लोगो को साफ पेय जल के लिए कई योजनाएं चला रहे है वहीं ओबरा नगर पंचायत के अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी सरकार के विपरीत कार्य कर सिर्फ सरकारी धन की बन्दर बांट करने का आरोप लगाया है जिससे आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में स्थानीय लोगों व भाजपा नेता ने उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उपरोक्त प्रकरण की जांच कराने व उचित कार्यवाही की मांग की है ।

कीचड़ युक्त रास्ते से होकर विद्यायालय जाने को मजबूर छात्र -छात्राएं

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विकास खंड नगवां के ग्राम पंचायत सिकरवार के प्राथमिक विद्यालय से होकर उच्च माध्यमिक विद्यालय तक जाने के लिए रास्ता तो है पर बरसात में उस रास्ते पर चलना मुश्किल है कच्ची रोड होने की वजह से थोड़ी सी बरसात में ही रास्ता कीचड़ युक्त हो जाता है जिसे होकर विद्यालय जाने में छात्र छात्राओं को भारी कठिनाई होती है अक्सर आए दिन बच्चों का पैर फिसलने से गिर जाते है और उनका ड्रेस खराब हो जाता है जानकारी के अनुसार प्राथमिक विद्यालय से उच्च माध्यमिक विद्यालय की दूरी लगभग ढाई तीन सौ मीटर होगी अगर ग्रामीणों का कहना है कि अगर ग्राम प्रधान चाहते तो थोड़ा

थोड़ा करके रोड बनवा सकते थे पर पता नहीं क्यों इस ओर ध्यान नहीं देते है रास्ता इतना खराब है की जगह जगह गड्ढे हो गए है उसमे पानी भर गया है जिससे बच्चों को स्कूल आने जाने में कठिनाई होती है इस मामले को लेकर अभिभावकों में शिक्षा विभाग और ब्लॉक के अधिकारियों के प्रति नाराजगी देखी गई है इस मामले को लेकर जब ग्राम पंचायत अधिकारी सुजीत कुमार सिंह से वार्ता किया गया तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में है कार्यवाही में डाला गया है जैसे ही धन आएगा रास्ते को बनवा दिया जाएगा। वही दूसरी ओर ग्रामीणों का कहना है कि हर बार ग्राम प्रधान और सचिव यही कहते है कि कार्यवाही में डाला गया है पर आज तक सड़क नहीं बन पाई है ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल रोड बनवाने की मांग की है ।

बारिश में बही पुलिया, ग्रामीणों ने विधायक का किया घेराव

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर ब्लॉक अंतर्गत रॉबर्ट्सगंज-रामगढ़ मार्ग से बेठिगांव और करारी गांव जाने वाले सम्पर्क मार्ग की पुलिया बारिश के पानी के

दबाव से बह गई। आधी पुलिया बह जाने की वजह से इस मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन बाधित हो गया हैं। सूचना पर बुधवार की सुबह स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे सदर विधायक भूपेश चौबे का ग्रामीणों ने घेराव कर दिया और नई पुलिया बनाए जाने की मांग की। विधायक ने जल्द समस्या का समाधान कराए जाने का आश्वासन दिया। विधायक का घेराव कर रहे ग्राम पंचायत बेठीगांव, सिरपालपुर और लसड़ा के ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग से बेठिगांव, लसड़ा, सिरपालपुर, करारी, बेलाही, अमौली, पिपरी, लखनपुरवां सहित अन्य गांवों के लोगों की आवाजाही होती है। लगातार हो रही बरसात की वजह से सड़क के मुहाने पर लसड़ा गांव में सड़क पर बनीं आधी पुलिया पानी के दबाव के चलते बह गई है। शेष पुलिया जो बची है, वह भी क्षतिग्रस्त है। यदि शीघ्र पुलिया का निर्माण नहीं कराया जाता है तो इन गांवों का संपर्क टूट जाएगा। इन गांवों को आने-जाने का यहीं एक मात्र संपर्क मार्ग है। बताया कि पुलिया के क्षतिग्रस्त होने से स्कूल जाने वाले बच्चे व बीमारी से जूझ रहे पीडि़त परिवार के लोगों को आवागमन में मु?श्किल का सामना करना पड़ रहा है। सदर विधायक ने संबंधित पीडब्लूयूडी के जेई को फोन कर मौके पर बुलाकर तत्काल पुलिया निर्माण व सड़क मरम्मत के लिए निर्देशित किया, सदर विधायक ने बताया कि दो दिन से बरसात हो रहा है, जिसकी वजह से काफी जगह पर ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है, उन्होंने संपर्क मार्ग पर पुलिया निर्माण व सड़क मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग के जेई को निर्देशित किया,विधायक ने जल्द से जल्द निर्माण कार्य कराया जाने का भरोसा दिलाकर ग्रामीणों को शांत कराया। मौके पर ग्राम सभा लसड़ा के प्रधान प्रतिनिधि विमलेश, बीडीसी योगेश कुमार, बबलू केशरी, सन्तोष कुमार, पंकज मिश्रा, विकास कुमार, संजय चौबे, अनिल तिवारी, मनीष चौबे, आशीष आदि रहे।

स्पोर्ट्स

पांच बांग्लादेशी खिलाडियों के लिए भारत को बनानी होगी खास रणनीति

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। गुरुवार (19 सितंबर) से इस सीरीज का पहला मुकाबला चेपॉक में खेला जाएगा जिसके लिए भारतीय टीम जमकर पसीना बहा रही है। वहीं, बांग्लादेश की टीम भी इस मुकाबले के लिए चेनन्ई पहुंच चुकी है। कप्तान नाजमुल हुसैन शांतो के नेतृत्व में टीम मेजबानों को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। हाल ही में बांग्लादेश के शेरों ने पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में ऐतिहासितक पटखनी दी थी। अब उनकी नजर भारत पर होगी। हम यहां आपको पांच ऐसे खिलाडियों के विषय में बताएंगे जिनके लिए गौतम गंभीर और रोहित शर्मा को खास रणनीति अपनानी होगी। आइये जानते हैं भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए बांग्लादेश की टीम 26 वर्षीय बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांतो के नेतृत्व में आई है। उनकी अगुआई में टीम ने हाल ही में पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में कभी न भूल पाने वाली शिकस्त दी थी। अब टीम की नजर भारत के खिलाफ ऐसे ही प्रदर्शन को दोहराने पर है। पाकिस्तान दौरे पर शांतो के नेतृत्व कौशल ने सभी को प्रभावित किया। उन्होंने बेहतरीन तरीके से अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण को नियंत्रित किया। इसका परिणाम भी देखने को मिला। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें पिछले साल नवंबर में टीम का कप्तान नियुक्त किया था। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने अब तक खेले 29 टेस्ट मुकाबलों में 28.50 के औसत से 1539 रन बनाए हैं। इनमें पांच शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा इन दिनों सुखिर्यों में बने हुए हैं। उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ घातक गेंदबाजी कर बांग्लादेश को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। 21 वर्षीय गेंदबाज 145-150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करने में माहिर है। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने चार विकेट चटकाकर बांग्लादेश की जीत सुनिश्चित कर दी थी। इसी साल मार्च में डेब्यू करने वाले दाएं हाथ के गेंदबाज राणा ने तीन मुकाबलों में 11 विकेट हासिल किए हैं। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम ही वो खिलाड़ी है जिन्होंने रावलपिंडी में जीत की नींव रखी थी। पहले टेस्ट में उन्होंने 93 रनों की दमदार पारी खेली थी। हालांकि, वह शतक से चूक गए थे। शादमान ने लगभग दो साल बाद टेस्ट टीम में वापसी की। उन्हें महमुदुल हसन रॉय की जगह टीम में शामिल किया गया था। आगामी टेस्ट सीरीज में भारत को इस बल्लेबाज से सावधान रहना होगा। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 15 टेस्ट मुकाबलों में 25.74 के औसत से 695 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में एक नाम तेज गेंदबाज हसन महमूद का भी है, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों में कुल आठ विकेट चटकाए थे। दूसरे मुकाबले में 24 वर्षीय गेंदबाज ने दूसरी पारी में पांच विकेट हासिल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। 135 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करने में माहिर महमूद ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 3.62 की इकोनॉमी से 14 विकेट हासिल किए हैं। अब वह भारत के खिलाफ ऐसा ही प्रदर्शन करने को बेताब होंगे। बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज भारत के लिए आगामी टेस्ट सीरीज में मुसीबत बन सकते हैं। वह पहले भी भारतीय सरजमीं पर खेल चुके हैं। 2022 में बांग्लादेश की मेजबानी में हुई वनडे सीरीज में भारत के खिलाफ दो शानदार पारियां खेली थीं। हाल ही में उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। उन्होंने इस दौरे पर कुल 10 विकेट हासिल किए थे और लगातार दो अर्धशतकीय पारियां खेली थीं। दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश के 26 रन पर छह विकेट गिरने के बाद मेहदी ने लिटन के साथ सातवें विकेट के लिए 165 रन जोड़े थे। वहीं, पहले टेस्ट में उन्होंने मुशफिकुर के साथ सातवें विकेट के लिए 196 रन जोड़कर बांग्लादेश को 500 के पार पहुंचाया था। अब उनकी नजर भारत के खिलाफ मुकाबले पर होगी।

गंभीर अपने खिलाडियों के बचाव में कार्तिक ने मुख्य कोच की आक्रमकता को लेकर दिया बड़ा बयान

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कार्तिक ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट में कोचिंग का अनुभव नहीं होना गंभीर के दिमाग में होगा। गंभीर राहुल द्रविड़ की जगह भारतीय टीम के मुख्य कोच बने थे। भारतीय टीम मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चुनौती पेश करने के लिए तैयार है। गंभीर की कोचिंग शैली को लेकर कई तरह की चर्चा चलती है और अब टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज निदेश कार्तिक ने भी इस बारे में राय रखी है। कार्तिक ने मंगलवार को कहा कि गंभीर अतीत में अपने खिलाडियों के बचाव के लिए ही आक्रामक होते नजर आए हैं। कार्तिक ने कहा कि गंभीर की आक्रामकता कभी भी गैर जरूरी नहीं थी। उन्होंने एक कार्यक्रम से इतर कहा, गंभीर अपने खिलाडियों के बचाव के लिए ही आक्रामक होता रहा है। मौजूदा दौर के खिलाड़ी इसका आनंद उठाएंगे। वह बिना वजह क्रोधित नहीं होता। मुझे यकीन है कि जब भी जरूरत होगी, वह सख्ती से पेश आएगा। ऐसा खिलाडियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए ही होगा। कार्तिक ने यह भी कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट में कोचिंग का अनुभव नहीं होना गंभीर के दिमाग में होगा। उन्होंने कहा, गंभीर ने कई टी20 टूर्नामेंटों में कोचिंग की है, लेकिन बतौर कोच यह टेस्ट सीरीज उसके लिए नई होगी और यह उसके दिमाग में जरूर होगा। वह खेल की नब्ज समझता है जो एक कोच के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कार्तिक से पहले कप्तान रोहित शर्मा ने गंभीर और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की कोचिंग शैली को लेकर बयान दिया था। रोहित ने टेस्ट मुकाबले से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था, जाहिर है।

इस बल्लेबाज को भारत का टी20 कप्तान बनते देखना चाहते हैं रैना आईपीएल रिटेंशन पर भी रखी राय

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रैना ने टी20 कप्तान पद के लिए शुभमन गिल का नाम लिया है जो फिलहाल उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। रैना का मानना है कि गिल का प्रभावी प्रदर्शन और लीडरशीप कौशल उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाता है। भारत ने रोहित शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद भले ही सूर्यकुमार यादव को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की कमान सौंपी थी, लेकिन भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना की राय इससे अलग है। रैना ने टी20 कप्तान पद के लिए शुभमन गिल का नाम लिया है जो फिलहाल उपकप्तान की भूमिका निभा रहे है। रैना का मानना है कि गिल का प्रभावी प्रदर्शन और लीडरशीप कौशल उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाता है। रैना ने कहा, गिल सुपरस्टार हैं और उपकप्तान हैं। इसका मतलब है कि कोई उनके बारे में सोच रहा है। अगर वह आईपीएल में अच्छा करते हैं और टीम को ट्रॉफी दिलाते हैं तो भविष्य में कप्तान हो सकते हैं। गिल भारत के अलग सुपरस्टार हैं।रैना इसके साथ ही ऋषभ पंत के दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापस लौटने को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, पंत काफी अच्छे हैं और उन्होंने दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक जड़ा है। वह विकेटकीपिंग का जिम्मा भी संभाल रहे हैं। जब आप टेस्ट क्रिकेट की बात करते हैं तो आपको सत्र के हिसाब से खेलना होता है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान में अच्छा प्रदर्शन किया और उनके पास अच्छे स्पिनर हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय बल्लेबाज उनके खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

भारतीय टीम ने मनाया अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का जन्मदिन

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंस्टाग्राम पर अश्विन के जन्मदिन मनाने की स्टोरी लगाई। पूरी टीम ने अश्विन को जन्मदिन की बधाई दी और अश्विन ने केक काटा। पंत ने जो तस्वीर साझा की है उसे देखकर लग रहा है कि वह अश्विन के चेहरे पर केक लगा रहे हैं। भारतीय टीम को गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेलना है। टीम इंडिया ने इसके लिए तैयारी पूरी कर ली है और अब वह लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। मैच से पहले हालांकि टीम के खिलाडियों ने अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का जन्मदिन मनाया। भारतीय टीम ने ड्रेसिंग रूम में अश्विन का केक काटा और अश्विन के चेहरे पर भी लगाया। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंस्टाग्राम पर अश्विन के जन्मदिन मनाने की स्टोरी लगाई। पूरी टीम ने अश्विन को जन्मदिन की बधाई दी और अश्विन ने केक काटा। पंत ने जो तस्वीर साझा की है उसे देखकर लग रहा है कि वह अश्विन के चेहरे पर केक लगा रहे हैं। अश्विन और पंत 2018 से भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे हैं और दोनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी है। भारतीय टीम के मौजूदा और पूर्व खिलाडियों ने अश्विन को उनके 38वें जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी। अश्विन को बधाई देने वालों में सुरेश रैना, बद्रीनाथ, चेतेश्वर पुजारा, शिखर धवन, युजवेंद्र चहल, उमेश यादव, केएल राहुल और अन्य खिलाड़ी शामिल थे। अश्विन पिछले करीब एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं और अब वह घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। अश्विन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 500 से अधिक विकेट लेने की उपलब्धि दर्ज है।

टेस्ट में नया रिकॉर्ड बना सकते हैं कोहली, 152 रन बनाते ही हो जाएंगे सचिन-द्रविड़ के क्लब में शामिल

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस सीरीज में कोहली कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। हम यहां आपको उन रिकॉर्ड्स के विषय में बताएंगे जिन पर दिग्गज बल्लेबाज की नजर रहेगी। आइये जानते हैं भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से वह निजी कारणों के चलते बाहर हो गए थे। अब वह लय में वापसी के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज किंग कोहली के लिए काफी अहम है। इस सीरीज में वह कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के नाम 113 टेस्ट मुकाबलों में 8848 रन दर्ज हैं। आगामी सीरीज में उनके पास 9000 रन पूरे करने का सुनहरा मौका है। अब तक सिर्फ तीन भारतीय बल्लेबाजों ने यह कारनामा किया है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भले ही टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज है, लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट में दिग्गज से पहले नौ हजार रनों का आंकड़ा छू लिया था। वहीं, सचिन इस मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ इस मामले में तीसरे स्थान पर हैं।

दो खेमों में बटी भारतीय टीम, विराट कोहली की सेना ने मारी बाजी

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम जमकर पसीना बहा रही है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में भारतीय खिलाडियों को तैयार किया जा रहा है। वहीं, बल्लेबाजी और गेंदबाजी के अलावा फील्डिंग पर भी मैनेजमेंट खास ध्यान दे रहा है। सोमवार को फील्डिंग कोच टी दिलीप के नेतृत्व में भारतीय टीम को दो खेमों में बाटां गया और उनके बीच एक खास मुकाबला खेलने के लिए उतरेगी जबकि मेहमानों ने हाल ही में पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हराया था। ऐसे में उनके हौसले बुलंद हैं। वहीं, भारतीय खिलाड़ी भी इस मुकाबले से पहले लय में आने की पुरजोर कोशिश में जुटे हुए हैं। सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से जारी की गई एक वीडियो में फील्डिंग कोच टी दिलीप ने बताया कि भारतीय टीम को फील्डिंग का भी अभ्यास कराया जा रहा है। इसके लिए टीम को दो खेमों में बाटां गया, जिसमें किंग कोहली की टीम ने बाजी मारी। टी दिलीप ने कहा- आज पूरा विचार सभी को एक टीम के रूप में एक साथ लाने का था। जहां हमने दो खंड किए - चेनन्ई में नमी को ध्यान में रखते हुए, ड्रिल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसलिए टीम को दो समूहों में विभाजित किया गया। इसके अलावा कैचिंग की प्रतियोगिता हुई। जिस टीम में कम त्रुटियां थीं, वह जीत गई। आज विराट की टीम ने जीत हासिल की है। इस दौरान विराट कोहली और रवींद्र जडेजा को डाइव मारते देखता गया। वहीं, यशस्वी जायसवाल भी शानदार अंदाज में दिखे। प्रशिक्षण के दौरान टी दिलीप की सहायता के लिए अभिषेक नायर मौजूद रहे। टी दिलीप ने आगे कहा- कुल मिलाकर मैं यही कहूंगा कि यह शानदार था, खास तौर पर गर्म परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए। इस समूह का सबसे अच्छा हिस्सा यह था कि सभी सत्रों के दौरान तीव्रता बहुत बढ़िया थी। भारत और बांग्लादेश के बीच अब तक 13 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इनमें 11 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। 2022 के आखिरी में भारतीय टीम ने बांग्लादेश का दौरा किया था। इस दौरान दो मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत को कड़ी टक्कर दी थी। चौथी पारी में 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 74/7 के स्कोर पर मुश्किल में था, तभी रविचंद्रन अश्विन (42) और श्रेयस अय्यर (29) ने 71 रनों की मैच विजयी साझेदारी कर टीम को चार विकेट से जीत दिलाकर सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली थी। पिछली बार भारत पर अपनी पहली जीत दर्ज करने में विफल रहने के बाद बांग्लादेश की टीम इस बार इतिहास बदलने के लिए उत्सुक होगी।

बांग्लादेश में शाकिब की कौन ले सकता है जगह कोच हथुरुसिंघा ने रखी राय, भारत को लेकर कही ये बात

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश को भारत के खिलाफ सीरीज में शाकिब अल हसन, मुश्फिकुर रहीम और मेहदी हसन मिराज जैसे दिग्गजों की सेवाएं मिलती रहेंगी। शाकिब ने पाकिस्तान में सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं मुश्फिकुर सीरीज में टीम के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे, जबकि मिराज उनके शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघा ने स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज की जमकर सराहना की और उन्हें पिछले पांच वर्षों का सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी बताया। 26 वर्षीय मेहदी ने 2016 में 18 वर्ष की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। तब से इस स्पिनर ने 45 टेस्ट मैच खेले हैं और 174 विकेट चटकाए हैं। मेहदी ना सिर्फ भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं, बल्कि अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। हथुरुसिंघा ने भारत के खिलाफ चेनन्ई में होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व कहा, मेहदी के लिए मैं कहूंगा कि वह बांग्लादेश के पिछले पांच वर्षों में सुधार करने वाले खिलाड़ी हैं। जब शाकिब टीम का हिस्सा नहीं होंगे तो वह उनकी जगह लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बल्लेबाजी भी विकसित की है और गेंदबाजी में वह टीम के मजबूत स्तंभ हैं। उनकी फील्डिंग भी शानदार है। बांग्लादेश को भारत के खिलाफ सीरीज में शाकिब अल हसन, मुश्फिकुर रहीम और मेहदी हसन मिराज जैसे दिग्गजों की सेवाएं मिलती रहेंगी। शाकिब ने पाकिस्तान में सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं मुश्फिकुर सीरीज में टीम के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे, जबकि मिराज उनके शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। हथुरुसिंघा ने कहा, शाकिब ने हमेशा बांग्लादेश क्रिकेट में अहम भूमिका निभाई है। उनका ऑलराउंड खेल टीम को संतुलन प्रदान करता है। वह अच्छी बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे है।बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत दर्ज की है। उन्होंने शान मसूद की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को शुरुआती मुकाबले में 10 जबकि दूसरे मैच में छह विकेट से हराया था। बांग्लादेश की टीम आत्मविश्वास से भरी है लेकिन विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में शीर्ष पर काबिज भारत से उसे पाकिस्तान के मुकाबले काफी मजबूत चुनौती मिलने की उम्मीद है। हथुरुसिंघा का साथ ही मानना है कि क्रिकेट की महाशक्ति भारत के खिलाफ खेलने से उनकी टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी स्थिति का उचित मूल्यांकन मिलेगा। हथुरुसिंघा ने कहा, हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ खेलने से प्रोत्साहन मिलता है। भारत आकर उनके खिलाफ खेलना आजकल सबसे अच्छी चुनौती है। सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ खेलने से आपको हमेशा यह पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं। एक खिलाड़ी के रूप में आप हमेशा ऐसे मौके की खोज में रहते हैं। पाकिस्तान पर जीत के कारण इस सीरीज से पहले हमारा मनोबल काफी बढ़ा है। उस सीरीज में हमने जिस तरह का प्रदर्शन किया और पिछड़ने के बाद जिस तरह से वापसी की वह शानदार रहा। इससे टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। भारत के खिलाफ खेलते समय एक अलग तरह का दबाव होता है। हम समझते हैं कि हम कहां खड़े हैं, हम टीम के मजबूत पक्ष और कमजोर कड़ी के बारे में जानते हैं।

राशि फल

मेष आपका सामान्य रहने वाला है, स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा। आप किसी लंबी यात्रा आदि पर जा सकते हैं, वाहन आदि का उपयोग संभाल कर करें।

वृषभ भागदौड़ से भरा रहेगा, आपका मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे, व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।

मिथुन आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा, कोई रुका हुआ पुराना कर आज पूरा होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्क आपका दिन अच्छा रहने वाला है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी कार्य के लिए आप प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको उसमें सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ा ।

सिंह कुछ परेशानियों भरा रह सकता है। आप व्यर्थ के वाद विवाद में फंस सकते हैं, कोई झूठा आरोप आप पर लग सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप कमजोरी महसूस करेंगे।

कन्या किसी अपने के व्यवहार के कारण परेशान हो सकते हैं। किसी संबंधी से बड़ा विवाद हो सकता है। आप स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। पार्टनर का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला आपका मन प्रसन्न रहेगा, किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा। आपके स्वास्थ्य में लाभ होगा, आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के साथ संबंध मधुर होंगे ।

वृश्चिक आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। नौकरी आदि का प्रयास कर रहे हैं, तो आज सफल होंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। परिवार में माता-पिता की स्वास्थ्य में लाभ होगा।

धनु आप स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रह सकता है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।

मकर आपका दिन परेशानियों से भरा रहेगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार आदि में हानि उठानी पड़ सकती है। लंबी यात्रा पर जाएं, तो वाहन आदि का उपयोग संभलकर करें।

कुंभ आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। न्यायालय पक्ष में विजय प्राप्त होगी, सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। मित्रों और संबंधियों का आर्थिक रूप से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

मीन आप कोई नया कार्य शुरू करेंगे। किसी विशेष व्यक्ति के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। माता-पिता परिवार के साथ आप किसी बड़े कार्य की योजना बना सकते हैं।

सम्पादकीय

बया का घोंसला अद्भुत इंजीनियरिंग का उदाहरण

जब घोंसले निर्माण पूरा होता है, तब मादा उसे मान्यता देती है या छोड़ देती है और यह इस पर निर्भर करता है कि कितनी सुंदरता और मजबूती से घोंसला बनाया गया है। बया एक पोलीगेमी पक्षी है जिसका अर्थ है कि नर एक से ज्यादा मादा के साथ मेटिंग करता है जबकि मादा सिर्फ एक नर के साथ ही मेटिंग करती है। शिल्प कौशल, इंजीनियरिंग और वास्तुकला की मिसाल देते चिड़िया के घोंसले अक्सर नदी नहर के

किनारे पेड़ों की शाखाओं पर लटकते देखने को मिल जाते हैं। ये घोंसले बया पक्षी के होते हैं जो कि अपने घोंसले के निर्माण कौशल के लिए प्रसिद्ध है। यह पक्षी एक बल्बनुमा कक्ष जैसा घोंसला बनाते हैं, जो देखने में लालटेन जैसे लगते हैं जिन्हे घास, पत्तियों और टहनियों का उपयोग करके बनाया जाता है। ये घोंसले मजबूत होते हैं और पक्षियों और उनके अंडों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। बया का घोंसला अद्भुत इंजीनियरिंग का उदाहरण है, इसके निर्माण के लिए, मरम्मती धागों का उपयोग करते हुए यह पक्षी घोसलों को डिज़ाइन करती है जो खुद को मजबूती से बांध लेता है। इस तरह के घोसलों ने बया वीवर को उनके इंजीनियरिंग कौशल के लिए मशहूर बना दिया है।ये घोसले नर पक्षी द्वारा बनाए जाते हैं जिसे वो मादा बया पक्षी को रिझाने और आकर्षित करने के लिए बनाते हैं। प्रजनन के मौसम के दौरान, नर बया मादाओं को आकर्षित करने के लिए अपने घोंसले बनाने के कौशल का प्रदर्शन करते हैं। संभावित साथी को प्रभावित करने की उम्मीद में, वे सावधानी से अपने घोंसले बुनते और सजाते हैं। जब घोंसले निर्माण पूरा होता है, तब मादा उसे मान्यता देती है या छोड़ देती है और यह इस पर निर्भर करता है कि कितनी सुंदरता और मजबूती से घोंसला बनाया गया है। बया एक पोलीगेमी पक्षी है जिसका अर्थ है कि नर एक से ज्यादा मादा के साथ मेटिंग करता है जबकि मादा सिर्फ एक नर के साथ ही मेटिंग करती है। कुशल वास्तुकारों की तरह बया भी विभिनन आकृतियों और आकारों में अपने घोसलों का निर्माण करते हैं। कुछ घोंसले पेड़ की शाखाओं से लटकते हैं, जबकि अन्य लंबी घास के बीच बने होते हैं। यह एक सामाजिक पक्षी है और अक्सर कॉलोनियों में अपना घोंसला बनाते हैं। वे निर्माण प्रक्रिया में एक दूसरे की मदद करते हुए सद्भाव में एक साथ काम करते हैं। ये पक्षी अक्सर तीन साधनो को प्राथमिकता देते है जिनमे शामिल है खाना, पानी, और सुरक्षा। ये पक्षी किसानों के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे कीड़ों और कीटों को खाते हैं, जिससे उनकी आबादी को स्वाभाविक रूप से नियंत्रित करने में मदद मिलती है। बया निवासी पक्षी है, जिसका अर्थ है कि वे लंबी दूरी तय नहीं करते हैं। वे आमतौर पर सालभर अपने पसंदीदा आवास में रहते है, और भारतीय जलवायु की गर्माहट का आनंद लेते हैं। बया पक्षी वास्तव में प्रकृति के कलाकार हैं, जो अपने शानदार घोंसलों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन करते है। बया एक आदर्श प्राकृतिक निर्माता है जो अपने घोंसलों को सुंदरता और सुरक्षा से भर देती है। इसकी खूबसूरती और अनोखापन को देखकर हम सभी को प्रेरित होना चाहिए कि हम भी अपने कौशल और विचारशीलता का उपयोग करके अपने जीवन को सुंदर बनाएं।

दोस्ती के तकाजों के बीच खामेनेई के भारत पर आरोप के पीछे असल मंशा क्या

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीडि.त हैं। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी पड़ रही है। ईरान और भारत के बीच अच्छे झेलनी पड़ रही है। इस पर भारतीय भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्काल कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम खामेनेई के बयान की निंदा करते हैं। यह अस्वीकार्य और पूरी तरह से भ्रामक है।विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल्पसंख्यकों के मामले पर कमेंट करने वाले देशों को पहले अपने रिकॉर्ड को देखना चाहिए। अपने पहले पाकिस्तान दौरे पर गए थे तो दोनों देशों के साझा बयान में कश्मीर का जिक्र था। इस पर भारत ने ईरान के सामने आपत्ति जताई थी। इन सबके बावजूद भारत ने ईरान के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों में खामेनेई के बयानों और ईरान के रवैये को आड़े नहीं आने दिया और ईरान के तरफ झुका है। तीसरा है मलेशिया, जिसने सउदी अरब की मर्जी के खिलाफ जाकर मुस्लिम देशो को इकट्ठा करने की कोशिश की थी। अब इसमें ईरान का नाम भी शामिल हो गया है। इन चारो देशों में भी ईरान अकेला शिया बहुल देश है। पिछले दिनों चीन ने मध्यस्थता कर ईरान और सुनने बहुत सउदी अरब अमीनी की हत्या वहां की मॉरल पुलिस ने इसलिए भी की थी, क्योंकि वह कुर्द थी। कैम्ब्रिज से प्रकाशित पत्रिका 'मनारा' में हाल में ईरान में अल्पसंख्यक सुनिन्यों के हालात पर पेमान असदजादे का आंखें खोलने वाला लेख छपा है। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे ईरान में सुनिन्यों के साथ खुला भेदभाव किया अल-फुरकान जैसी सुननी आतंकवादी सगंठन दक्षिणी ईरान में सक्रिय हैं। पिछले दिनो ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जो एयर स्ट्राइक की थी, वह सुननी बलूची संगठनों के खिलाफ ही थी। यही हाल सुननी कुर्दों का भी है। ईरान सरकार उन्हें सख्ती से कुचलती रही है। इधर भारत में

रिश्तों के बाद भी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई द्वारा मुसलमानों को प्रताडि.त किए जाने वाले देशों की सूची में भारत का नाम लेना सभी के लिए चौंकाने वाला है, वह भी तब कि जब ईरान पर अमेरिका द्वारा लगाए कठोर आर्थिक प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर भारत ने ईरान से व्यापारिक रिश्ते न सिर्फ कायम रखे, बल्कि उन्हें मजबूती दी है ज्यादा हैरानी की बात है कि कथित मुस्लिम प्रताड़ना वाले देशों में उन्होंने उस चीन का नाम नहीं लिया है, जहां उइगुर मुसलमानों को नमाज पढ़ने और रोजे रखने तक की इजाजत नहीं है और जिनका बेखौफ चीनीकरण किया जा रहा है।तो क्या खामेनेई का भारत पर आरोप लगाना भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने की सोची समझी चाल है, भारत के साथ ईरान की एहसान फरामोशी है या फिर ऐसे बयान देकर खुद को दुनिया में मुसलमानों का एकमात्र मुसलमानों का नेता साबित करने की मंशा है गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीडि.त हैं। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बयान को 'एक्स' पर शेयर भी किया। इसके पूर्व एक कमेंट में खामेनेई ने लिखा था- दुनिया के मुस्लिमों को भारत, गाजा और म्यांमार में रह रहे मुस्लिमों की तकलीफ से अनजान नहीं रहना चाहिए। अगर आप उनकी पीड़ा को नहीं समझ सकते तो आप मुस्लिम नहीं हैं। खामेनेई ने आरोप लगाया कि इस्लाम के दुश्मन मुसलमानों में फूट डालते आए हैं।हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि जब खामेनेई भारतीय मुसलमानों के खैरख्वाह बने हैं। खामेनेई ने 2020 के दिल्ली दंगों के बाद कहा था कि भारत में मुस्लिमों का नरसंहार हुआ है। भारत सरकार को कट्टर हिंदुओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को मुस्लिमों का नरसंहार बंद करना होगा, नहीं तो इस्लामी दुनिया उनका साथ छोड़ देगी। कश्मीर के मुद्दे पर भी खामेनेई कई बार विवादित बयान देते आए हैं। साल 2017 में खामेनेई ने कश्मीर की तुलना गाजा, यमन और बहरीन से की थी। हम कश्मीर में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। खामेनेई 1980 में जम्मू-कश्मीर का दौरा भी कर चुके हैं। कश्मीर मामले में ईरान का रवैया भारत विरोधी ही रहता आया है। इसी साल यानी 2024 में जब ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी अप्रैल में साथ अपने ऐतिहासिक रिश्तों को ध्यान में रखते हुए आपसी सम्बन्ध बेहतर बनाने पर ही जोर दिया है जहां तक भारत में मुसलमानों की कथित प्रताड़ना की बात है तो यह धारणा तथ्यों से विपरीत है। स्थानीय कारणों से होने वाले विवाद अथवा राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को देश के 24 करोड़ मुसलमानों की प्रताड़ना से जोड़ना एक सोची समझी और दुर्भावनापूर्ण रणनीति है। गाजा में जो इजराइल कर रहा है, या म्यानमार की सैनिक सरकार वहां रोहिंग्या मुसलमानों के साथ जो सलूक कर रही है, उसके कारण अलग है। वैसे भी फिलीस्तीन मामले में भारत दो राष्ट्र नीति का समर्थक रहा है। हम चाहते हैं कि फिलीस्तीन और इजराइल दोनो राष्ट्र रहें। इजराइल और ईरान के बीच कट्टर दुश्मनी है। इसका कारण इजराइल को अमेरिका का अंध समर्थन और ईरान की परमाणु शक्ति बनने की अदम्य इच्छा। इससे भी बड़ा कारण ईरान की इस्लामिक जगत का नया लीडर बनने की तमनन है। वैसे भी आज दुनिया के 57 मुस्लिम देशों का नेतृत्व करने और खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी सिद्ध करने की चार देशों में होड़ मची है। ये हैं - सउदी अरब, जो खुद को मुसलमानों का स्वाभावित नेता मानता है। दूसरा है, तुर्की जो हाल के वर्षों में मुस्लिम कट्टरपंथ की के बीच समझौता कराके दुनिया को चौंकाया था। हालांकि, इससे दोनो चिर प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच रिश्ते बहुत मधुर हो गए हैं, ऐसा नहीं है। खामेनेई के बयान के पीछे भारत और सउदी अरब के मधुर रिश्ते भी कारण हो सकते हैं। खामेनेई का भारतीय अल्पसंख्यक मुस्लिमों के प्रति प्रेम सही भी हो सकता था, अगर खुद ईरान में अल्पसंख्यकों के साथ मानवीय व्यवहार होता। मुस्लिम भाईचारे के तमाम दावों के बाद जमीनी हकीकत यह है कि आज दुनिया में सर्वाधिक मारकाट मुस्लिम देशों और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के बीच ही हो रही है। स्टेटा रिसर्च डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ो के मुताबिक वर्ष 2021 से 2022 तक दुनिया भर में आतंकी घटनाओं में कुल 55 हजार 635 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश मुसलमान ही थे। मरने वाले भी और मारने वाले भी हालांकि, इसमें गजा में मारे जाने वाले मुसलमानों की संख्या शामिल नहीं है। जहां हमास-इजराइल युद्ध में 50 हजार से ज्यादा मुसलमान मारे जा चुके हैं। खुद ईरान में अल्पसंख्यक सुनिन्यों, बहाइयों, पारसियों और कुर्दों के साथ क्या व्यवहार होता है, यह दुनिया जानती है। बहाइयों को तो वहां कब्रिस्तान भी नसीब नहीं होते। ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन का प्रतीक बनी महसा जा रहा है। सुननी मुसलमान ईरान में करीब 10 फीसदी हैं और देश की सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी है। ये सुननी ज्यादातर लारेस्तान में रहते हैं और ईरानी, बलूच, कुर्द, तुर्कमान, अरब आदि में बंटे हुए हैं। केवल ईरान के तीन प्रांतों कुर्दिस्तान, सिस्तान और बलूचिस्तान में वो बहुसंख्यक हैं। ये वो इलाके हैं, जो विकास की दौड़ में बहुत पिछड़े हैं या जिनकी ईरान सरकार द्वारा जानबूझकर उपेक्षा की जाती रही है। यहां तक देश में शिया और सुनिन्यों के बीच साक्षरता दर में बहुत फर्क है। सुननी इलाकों में शुद्ध पेयजल तक आसानी से उपलब्ध नहीं है। जहां तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात है कि ईरान सरकार में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सुननी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व नहीं के बराबर है। ईरान में शियाओं का एक उप सम्प्रदाय बारह इमाम को मानना ही देश का आधिकारिक धर्म है हालांकि, सुनिन्यों को उनका धर्म मानने की इजाजत है। सुनिन्यों के दबाव के चलते हाल के कुछ वर्षों में उनका ईरान सरकार में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की कोशिश जरूर की गई है। लेकिन सुननी से भेदभाव की भावना अब सुननी आतंकी संगठनों की हिंसक कार्रवाइयों में तब्दील होती जा रही है। वहां जैश-उल-अदल तथा जैश-उल-अंसार तथा मोदी सरकार पर आरोप है कि उसके राज में देश में मुसलमानों को हाशिए पर डालने की कोशिश की जा रही है। इसमे आंशिक सच्चाई हो सकती है, लेकिन इसकी तुलना गजा, म्यानमार जैसे देशों से करना यही साबित करता है कि ईरानी सुप्रीम लीडर के लिए मुसलमान होने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। गनीमत है कि अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा यदा कदा दिए जाने वाले भारत विरोधी और मुस्लिम समर्थक बयानों के बावजूद दोनो देशों के कूटनीतिक व व्यापारिक रिश्तों पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ा है। ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम के कारण कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हैं। इसके बाद भी भारतीय नेता ईरान का दौरा करते रहे हैं। हाल में दोनो देशों के बीच हुए एक अहम समझौते के तहत ईरान के चाबहार स्थित शाहित बहिश्ती बंदरगाह का संचालन अगले 10 साल के लिए भारत ही करेगा। जिसका लाभ अफगानिस्तान को भी होगा और जिसे पाकिस्तान के ग्वादर में चीन द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है। भारत ईरान से मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। जबकि ईरान भारत से बासमती चावल व अन्य वस्तुएं आयात करता है।

पर्वत से ओम गायब हिमालय की खराब सेहत का संकेत

हिमालय के क्रायोस्फीयर में इस तरह तेजी से बर्फ का पिघलना सीधे-सीधे क्षेत्र के ग्लेशियर तंत्र को प्रभावित करना है। ग्लेशियरों का यही पीछे हटना वैश्विक स्तर पर सरकारों, आपदा प्रबंधकों, भूगर्व और ग्लेशियर वैज्ञानिकों तथा धर्मावलम्बी इसे दैवी प्रकोप और अनिष्ट का संकेत मानने लगे। लेकिन पर्यावरणविदों की असली चिन्ता तो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों को लेकर है जो ओम पर्वत पर साफ नजर आ रहे हैं। यद्यपि बाद में पुनः हिमपात से 'ओम' की

पर्यावरणविदों की चिन्ता का विषय बना हुआ है। हिमालय में ग्लेशियरों के पीछे हटने से जल संसाधन प्रभावित हो रहे हैं, जिससे नदियों का प्रवाह कम हो जाता है और कृषि प्रभावित होती है। उत्तराखण्ड के सीमांत जिला पिथौरागढ़ स्थित विश्व विख्यात ओम पर्वत से जब जुलाई महीने के अंत में विशालकाय 'ओम' की आकृति लुप्त होने लगी तो सनातन धर्मावलम्बियों का विचलित होना स्वाभाविक ही था। यह दिव्य आकृति अगस्त के मध्य तक पूरी तरह गायब हो गयी। आकृति फिर प्रकट हो गयी, लेकिन पुनः बर्फ का दिखाई देना चिन्ता मुक्त होने के लिये काफी नहीं है। क्योंकि प्रकृति द्वारा बर्फ से उकेरी गयी 'ओम' आकृति हिमाच्छादित रहने वाले पहाड़ों से बर्फ पिघलने और ग्लेशियरों के सिकुड़ने की गति बढ़ने का संकेत दे ही गयी। इस पर्वत की ऊंचाई समुद्रतल से 5,590 मीटर है और हिमालय पर 5 हजार मीटर से ऊपर का क्षेत्र क्रायोस्फीयर में शामिल है जो स्थाई रूप से हिमाच्छादित रहता है।

यह राजनीति नहीं बल्कि एकजुटता का समय

विगत् 40 दिनों में 18 ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें अलग-अलग राज्यों में रेलवे ट्रैक पर भारी वस्तु रखकर ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश हुई। तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान से लेकर ओडिशा तक कई स्थानों पर रेल ट्रैक पर सिलेंडर, भारी सीमेंट स्लैब, लोहा आदि रखा मिला। 12 सितंबर को यानी की ठीक 187 वर्ष पहले साल 1837 में भारतीय रेल की नींव पड़ी थी। मद्रास (अब चेनन्ई) में भाप इंजन संचालित ट्रेन चली थी। हालांकि, पहली सवारी गाड़ी साल 1853 में बॉम्बे-ठाणे के बीच चली। तब से लेकर आज तक भारतीय रेल ने सैकड़ों गुणा तरक्की की है। आज भारतीय रेल देश की 'लाइफ लाइन' कही जाती है, जिसमें 22 हजार ट्रेनों में पौने तीन करोड़ से अधिक लोग रोजाना सफर करते हैं। भारतीय रेल देश को उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक जोड़ती है। भारतीयों का अटूट विश्वास अपने रेल नेटवर्क पर है, लेकिन इन दोनों भारतीय रेल अपने इतिहास के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। यह संकट तकनीकी नहीं, बल्कि एक साजिश है। कुछ असामाजिक या कहें आतंकी तत्व भारत की 'लाइफ लाइन' को डिरेल करने की खतरनाक साजिश रच रहे हैं। विगत् 40 दिनों में 18 ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें अलग-अलग राज्यों में रेलवे ट्रैक पर भारी वस्तु रखकर ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश हुई। तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान से लेकर ओडिशा तक कई स्थानों पर रेल ट्रैक पर सिलेंडर, भारी सीमेंट स्लैब, लोहा आदि रखा मिला। ऐसी घटनाओं से यह आशंका और

गहरी हो जाती है कि पिछले दिनों ट्रेनों के पटरियों से उतरने के पीछे तकनीकी कारण नहीं, बल्कि साजिश थी। देश में रेल नेटवर्क की बात करें तो 1,32,310 किलोमीटर लंबा रेलवे ट्रैक भारत में बिछा है। यह भारत का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क बनाता है। इतने विशाल रेल नेटवर्क की सुरक्षा के लिए अलग से फोर्स है, लेकिन एक-एक स्थान की चौकसी करना दुनिया के किसी भी देश के लिए संभव नहीं है। बीते कुछ वर्षों में भारतीय रेल ने बहुत तेजी से विकास की रफ्तार पकड़ी है। पिछले 10 वर्षों में 31,000 किलोमीटर का नया ट्रैक बिछाया गया है। केंद्र सरकार के अनुसार वर्तमान में 4 किलोमीटर प्रतिदिन का ट्रैक देश में बिछाया जा रहा है। रेलवे का विद्युतीकरण बहुत तेजी से हो रहा है। 95 प्रतिशत ब्रॉड गेज रूट्स का विद्युतीकरण कर दिया गया है। देश की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में भारतीय रेल की अहम भूमिका है। जब भारतीय रेल इस तेजी से विकास कर रही है तो वो कौन से तत्व हैं?जो इस पर गिद्ध निगाह गड़ाए हुए हैं। कुछ विदेशी एजेंसियों और आतंकी संगठनों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए यह असामाजिक और आतंकी तत्व आम भारतीयों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। आए दिन ऐसी घटनाएं होंगी तो जनता के मन में भय आना स्वाभाविक है। हालांकि, सरकार अब पहले से ज्यादा सतर्कता बरत रही है। ट्रेनों को बेपटरी करने की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे ने एआई संचालित 75 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने का निणर्य लिया है। ये सीसीटीवी कैमरे कोच के अलावा लोको पायलट को सतर्क करने के लिए लोकोमोटिव (इंजन) में भी लगाए जाएंगे, जो पटरी पर संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाकर ड्राइवर को आपातकालीन ब्रेक लगाने के लिए सचेत करेंगे। कुल मिलाकर रेलवे 40,000 कोच, 14000 लोकोमोटिव और 6000 ईएमयू को एआई संचालित सीसीटीवी कैमरों से लैस करने की योजना बना रही है। निश्चित रूप से यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वो ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश करने वाले आतंकी तत्वों को चिन्हित कर कड़ी सजा दे। हालांकि, इतने बड़े नेटवर्क पर हर एक स्थान पर नजर बनाए रखना सरकार या सुरक्षा एजेंसी के लिए संभव नहीं है। यहां जिम्मेदारी समाज की भी है। रेलवे ट्रैक के आसपास रहे लोगों का दायित्व है कि वो ऐसे तत्वों को लेकर सतर्क रहें। अपने बीच ऐसे तत्वों को पहचानें, जो देश की संपत्ति और लोगों को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। ऐसे संकट के समय में राजनीतिक दलों को भी एकजुटता दिखाने की आवश्यकता है। राजनीति से ऊपर उठकर सोचने की जरूरत है। तकनीकी कारणों से दुर्घटनाओं पर सरकार की आलोचना सही है, लेकिन जानबूझकर ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश पर विपक्ष का मौन सही नहीं है। आखिर भारतीय रेल किसी सरकार या पार्टी विशेष की न होकर देश की आन-बान-शान है। राष्ट्रीय धरोहर है।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

साइबर क्राइम, स्टीकर पालिसी, अन ऑथोराइज़्ड पार्किंग जैसे कई नुद्दों पर पुलिस की रहेगी पैनी नज़र - डीसीपी

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नोएडा। पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के अन्तर्गत सेक्टर 93, सुपर एमईजी एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट द्वारा योगेन्द्र शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवेश चौहान आर डब्लूयू ए अध्यक्ष सुपर एमआईजी द्वारा की गई। कार्यक्रम में सेक्टर ने अपनी अपनी समस्या पुलिस प्रशासन के सामने रखी जिसमें अनअथराइज़्ड पार्किंग, रॉग साइड वाहन चलाना, सोसायटियों में

कार्यकम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी, एसीपी राकेश गुप्ता, एसएचओ विंध्याचल तिवारी, चौकी इंचार्ज प्रसून कट्यार, जि.ला मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, फ़ोनरवा अध्यक्ष 93, सेक्टर 82 के कई सोसाइटी जिसमें सुपर एमआईजी, सिल्वर सिटी, पार्श्वनाथ, सुपर टेक, मधुवन अप्पार्टमेंट, पॉकेट 7 आदि सोसाइटी से उनके आर डब्लूयू ए पदाधिकारी मौजूद रहे। वहाँ मौजूद सभी सेक्टर से आये पदाधिकारी और निवासियों चोरी, सिक्योरिटी गार्डों से आये दिन बदतमीज़ी, स्टीकर पालिसी,, हफ़्ते में लगने वाले बाज़ार में सुरक्षा व्यवस्था आदि कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात रखी। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने हर सवाल के जवाब दिये और सभी को आश्वस्त किया कि किसी भी तरह की कोई भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ढिलाई नहीं की जाएगी और पुलिस पर छोटी बड़ी समस्याओं के लिए तत्पर रहेगी। पुलिस वेरिफिकेशन, बिना स्टीकर की गाड़ियों पर अंकुश लगेगा और पुलिस स्वयं सोसाइटी में जा कर इसका संज्ञान वहाँ के आर डब्लूयू ए पदाधिकारियों से लेगी। स्टीकर की बड़ी समस्या पर उन्होंने ये साफ़ कर दिया कि सोसाइटी के निवासियों को स्टीकर लगाने के लिए आग्रह किया जायेगा और अगर उसके बाद भी अगर कोई नहीं मानता तो उनके ख.िलाफ़ कार्यवाही कड़ी जाएगी। ऑनलाइन फ्रॉड एंड साइबर क्राइम के लिए अवर्नेस पर भी उन्होंने चर्चा करी और उसको ले कर हेल्पलाइन सेल के बारे में भी बताया। इस मौक़े पर अनिल कुमार, दीपक मंडल, वि एस राजा, उमा शंकर, रमेश यादव, सुशील शर्मा, राघवेंद्र दूबे , मार्कंडे मिश्रा, आर पी त्रिपाठी, सुभाष सिंह, संध्या तिवारी, ए के जैन, अनूप गुप्ता, जय प्रकाश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

तमिलनाडु में सैमसंग कर्मचारियों के उत्पीड़न के खिलाफ नोएडा में सीटू कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा तमिलनाडु में अवैध

रूप से हिरासत में लिए गए सैमसंग के हड़ताली श्रमिकों को रिहा करने व श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा किए जाने की मांग को लेकर सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर के कार्यकर्ताओं ने श्रम कार्यालय सहित कई स्थानों पर मज़दूरों ने विरोध प्रदर्शन किए। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर प्लांट के सैमसंग इंडिया के मज़दूरों की हड़ताल को एक सप्ताह से अधिक हो गया कल तमिलनाडु पुलिस ने सीआईटीयू के तमिलनाडु राज्य सचिव ई. मुथुकुमार को यूनियन ऑफिस से 100 से ज्यादा हड़ताली मज़दूरों समेत अवैध रूप से गिरफ़्तार कर लिया। पुलिस ने कांचीपुरम जिले के बाहरी इलाके में सैमसंग के श्रमिकों को गिरफ़्तार कर शहर में घुसने से भी रोक दिया। शांतिपूर्वक हड़ताल कर रहे मज़दूरों को पुलिस ने उनके प्रदर्शन स्थल पर धमकाया और उनके साथ मारपीट की। उन्होंने कहा कि मज़दूर संगठन बनाने के अपने अधिकार, सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार तथा प्रबंधन द्वारा बहुसंख्यक यूनियन के साथ सार्थक चर्चा शुरू करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन सैमसंग इंडिया प्रबंधन हड़ताली कर्मचारियों की बात नहीं सुनने पर अड़ा हुआ है। जिला पुलिस हमारे देश के कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए प्रदर्शनकारी श्रमिकों पर अत्याचार कर रही है। सीआईटीयू गौतमबुद्धनगर कमेटी तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप कर हिरासत में लिए गए श्रमिकों को बिना शर्त रिहा करने और श्रमिकों के वैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करती है। सीटू जिला महासचिव रामसागर ने अपने संगठन से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे हड़ताली सैमसंग कर्मचारियों के समर्थन और एकजुटता में बैनर और तख्तियों को लेकर अपने अपने संस्थानों पर विरोध प्रदर्शन करे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

पति विग्नेश के जन्मदिन पर नयनतारा ने साझा की खास पोस्ट, प्यार जताते हुए दी शुभकामनाएं

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री नयनतारा ने अपने पति के जन्मदिन पर एक खास पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने पति विग्नेश शिवन के लिए प्यार जताते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। नयनतारा साउथ फिल्मों की बड़ी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह हिंदी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। पिछले साल ही वह बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' में नजर आई थीं। अभिनेत्री फिल्मों और अपने परिवार के बीच बेहतर संतुलन बना कर रखती हैं उन्होंने फिल्म निर्माता विग्नेश शिवन से शादी की है। नयनतारा और विग्नेश साउथ फिल्मों की मशहूर और लोकप्रिय जोड़ों में से एक हैं। लंबे समय तक साथ रहने के बाद, दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे। अब दोनों दो प्यारे बच्चों के माता-पिता भी है। आज, अपने पति के जन्मदिन पर अभिनेत्री ने खास अंदाज में विग्नेश को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। नयनतारा ने अपने पति और फिल्म निर्माता विग्नेश शिवन के जन्मदिन पर एक खास पोस्ट साझा की है। बुधवार को विग्नेश 39 साल के हो गए। इस मौके पर अभिनेत्री ने अपने पति के साथ बर्थडे डिनर की तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में दोनों एक रेस्तरां में बैठे हुए इस खास दिन का जशन मनाते नजर आए। इस मौके पर दोनों एक दूसरे के साथ रोमांटिक पोज देते दिखाई दे रहे हैं। अभिनेत्री ने जैकेट के नीचे एक काला टॉप पहना है, जबकि विग्नेश एक काली टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं।इस पोस्ट को साझा करते हुए नयनतारा ने लिखा,ठ जन्मदिन की शुभकामनाएं, मेरे लिए आप सबकुछ हैं। मैं आपसे इतना प्यार करती हूं कि उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भगवान आफको जीवन में वह सब कुछ दे, जो आप चाहते हैं। मेरे उइर उलगम।ठ इसके साथ ही अभिनेत्री ने अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए लाल दिलवाले इमोजी का भी उपयोग किया। इसके बाद उनके इस पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर दोबारा से साझा करते हुए विग्नेश ने लिखा,ठमेरा सबकुछ।बताते चलें नयनतारा और विग्नेश ने 9 जून, 2022 को शादी रचाई थी। चेनन्ई के पास महाबलीपुरम में उनका एक निजी विवाह समारोह रखा गया था। उनकी शादी में रजनीकांत, शाहरुख खान, अजित कुमार और विजय सेतुपति सहित कई सितारे शामिल हुए। इस जोड़े ने अक्टूबर 2022 में सरोगेसी के जरिए अपने बेटों उइर और उलग का स्वागत किया। बात करें अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की, तो वह अपनी मलयालम फिल्म, 'डियर स्टूडेंट्स' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन नवोदित संदीप कुमार और जॉर्ज फिलिप कर रहे हैं।

द बकिंघम मर्डर्स की हालत पतली, स्त्री 2 का जलवा बरकरार, जानें गोट का हाल

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में इन दिनों द बकिंघम मर्डर्स, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम और स्त्री 2 प्रदर्शित हो रही हैं। इन तीनों फिल्मों में से सबसे ज्यादा स्त्री 2 को पसंद किया जा रहा है। करीना कपूर की फिल्म का पहले हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हो गया है। वहीं, गोट के बड़े बजट के कारण इसकी कमाई को भी संतोषजनक नहीं माना जा सकता। आइए जानते हैं कि मंगलवार को किस फिल्म ने कैसा प्रदर्शन किया। हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को दर्शकों का प्यार नहीं मिल सका है। करीना इस फिल्म की अभिनेत्री होने के साथ इसकी निर्माताओं में से एक भी हैं। इस मर्डर मिस्ट्री फिल्म की शुरुआत ही टिकट खिड़की पर धीमी रही। पहले दिन फिल्म ने एक करोड़ 15 लाख रुपये से ओपनिंग ली। इसके बाद फिल्म ने शनिवार को एक करोड़ 95 लाख, रविवार को दो करोड़ 15 लाख और सोमवार को 80 लाख रुपये का कलेक्शन किया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को फिल्म ने 75 लाख रुपये का कारोबार किया है। अब इस फिल्म की कुल कमाई छह करोड़ 80 लाख रुपये हो गई है। विजय की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। फिल्म टिकट खिड़की जलवा नहीं दिखा पाई है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 178 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। वहीं, दूसरे हफ्ते में भी फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। 13वें दिन फिल्म ने छह करोड़ 94 लाख रुपये का बिजनेस किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 226.54 करोड़ रुपये हो गई है।स्त्री 2 का जादू बॉक्स ऑफिस पर अब भी बरकरार है। फिल्म को देखने के लिए अब भी बड़ी संख्या में दर्शक पहुंच रहे हैं। पांचवें हफ्ते में भी इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बरकरार है। 34वें दिन स्त्री 2 ने दो करोड़ 53 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 560.38 करोड़ रुपये हो गई है।

मैं रोने ही वाला था', जब शाहरुख खान की शरारत से मंच पर भर आई थीं राजीव ठाकुर की आंखें

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजीव ठाकुर इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' की वजह से सुखिर्यों में हैं। इस शो में वह आतंकी के किरदार में नजर आए हैं। वह लंबे समय तक कपिल शर्मा के शो का हिस्सा रहे हैं और लोगों को खूब हंसाया हैं। हाल ही में उन्होंने ' द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर आने वाले कलाकारों के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि पहली बार जब उन्होंने शाहरुख खान के साथ मंच साझा किया तो वह पूरी तरह से सनन रह गए थे। राजीव ने उस समय को भी याद किया जब कपिल और शाहरुख ने उनके साथ मजाक करने की योजना बनाई थी, जिसने उन्हें पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया था।सिद्धार्थ कनन्न के साथ बातचीत के दौरान राजीव ने इस घटना को याद करते हुए कहा, मैं शाहरुख से बहुत प्यार करता हूं और वह मेरे आदर्श हैं, इसलिए जब वह आए तो मैं डरा नहीं था। मैं बस यही सोच रहा था कि क्या उन्हें पहली बार देखने पर मैं अपनी लाइनें याद भी रख पाऊंगा या नहीं। मुझे बताया गया था कि आपके लिए एक विशेष भाग है ताकि आप शाहरुख के साथ प्रदर्शन कर सकें। मुझे नहीं पता था कि इसे बाद में 20 मिनट के खंड में बदल दिया जाएगा।राजीव ने खुलासा किया कि कपिल जानते थे कि वह शाहरुख से कितना प्यार करते हैं, इसलिए उन दोनों ने उनके साथ गंभीर होकर मजाक करने की योजना बनाई। उन्होंने कहा, शाहरुख सर ने मुझे मंच पर डांट दिया, जिसकी वजह से मैं रोने की कगार पर पहुंच गया था। जब मुझे पता चला कि क्या हो रहा है, तो मैं भावुक हो गया। इसके बाद उन्होंने मुझ पर बहुत प्यार बरसाया।ठ उन्होंने किंग खान की खूब तारीफ करते हुए आगे कहा, ङ्घमेरे पास एक फोटो था जो मैंने उनके पोज में क्लिक कराई थी बाद में शो के बाद उनके लोगों में से एक ने मेरी वैनिटी पर दस्तक दी और कहा 'शाहरुख सर ने आपके लिए यह भेजा है। उन्होंने इसके पीछे एक नोट लिखा था, जिसमें लिखा था कि आप शानदार हैं। मुझे बहुत खेद है।

अभिषेक बनर्जी के लिए ये साल काफी शानदार रहा

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।उन्होंने इस साल 'स्त्री 2' और 'वेदा' में अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, काफी सराहनाएं बटोरी हैं।

कास्टिंग निर्देशक से अभिनेता बने अभिषेक ने साल 2020 में अनुष्का शर्मा की सीरीज 'पाताल लोक' से चर्चा बटोरी थी। अब 'स्त्री 2' में वह विक्की के दोस्त जना के रूप में नजर आए हैं। उनका किरदार इस पूरे फ्रेंचाइजी के सबसे मनोरंजक किरदारों में से एक है। उन्हें अपनी भूमिकाओं के लिए आलोचकों से भी काफी सकारात्मक समीक्षा मिली है, जिस पर अब अभिनेता ने अपनी राय जाहिर की हैं। अभिनेता ने कहा कि वह फिल्म समीक्षकों द्वारा मिले सकारात्मक समीक्षाओं से ज्यादा दर्शकों के प्यार को तव्वजो देते हैं। उन्होंने कहा कि इससे कलाकार का पेट नहीं भरता। उनका मानना है कि निर्माता तभी काम देते हैं, जब दर्शकों को उनकी भूमिकाएं मनोरंजक लगती हैं। हाल में ही डीएनए के साथ एक इंटरव्यू के दौरान उनसे सिनेमाघरों में स्त्री 2 की सफलता के बीच दर्शकों के प्यार और आलोचनात्मक प्रशंसा के बीच चुनाव करने के लिए कहा गया। इसके जवाब में अभिषेक ने कहा कि वह दर्शकों के प्यार के भूखे हैं, क्योंकि वह फिल्मों में काम करना जारी रखना चाहते हैं। अभिनेता ने बताया कि आलोचनात्मक प्रशंसा उनके प्रदर्शन के अनुसार होती है और उनके अभिनय कौशल की समीक्षा करना एक व्यक्तिगत राय होती है। स्त्री 2 के अभिनेता ने कहा कि चाहे वह कितना भी अच्छा काम क्यों न कर रहे हों, दर्शकों का एक वर्ग उनके अभिनय से प्रभावित नहीं हुआ है। हालांकि, एक अभिनेता के रूप में, वह उन्हें दर्शकों द्वारा भी स्वीकार किए जाने की चाहत रखते हैं।अभिनेता ने आगे कहा कि एक अभिनेता का कररियर तभी आगे बढ़ता है, जब वह जनता के बीच लोकप्रिय होता है। उन्होंने साझा किया कि आलोचक सकारात्मक समीक्षा देते हैं, लेकिन कई बार ऐसा भी हुआ है जब दर्शकों ने उनके काम पर ध्यान नहीं दिया। भेड़िया अभिनेता को लगता है कि जिस दर्शक वर्ग से वह अधिक जुड़ना चाहते है, कभी-कभी वह उन्हें देखने के लिए आती ही नहीं है। अभिनेता ने आगे कहा, ठआलोचनात्मक सराहनाओं से पेट नहीं भरता, फिर चाहे आलोचक आपकी कितनी भी प्रशंसा करें, निर्माता आपको तभी काम देंगे, जब दर्शक आपकी सराहना करेंगे।अभिनेता ने दर्शकों के प्यार पर जोर देते हुए कहा कि जब दर्शक अभिनेताओं के अभिनय कौशल की प्रशंसा करते है, तो यह उनके जैसे कलाकारों को काफी खुशी देता है। बता दें कि अभिषेक की दो फिल्में इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज हुई थीं, जिनमें 'स्त्री 2' और 'वेदा' शामिल है। दोनों में वह बिलकुल अलग-अलग अवतारों में नजर आए है। अभिषेक जल्द ही अमिताभ बच्चन के साथ 'सेक्शन 84' में नजर आने वाले है।

आदि शंकराचार्य पर जल्द आएगी वेब सीरीज, गदर 2 के इस अभिनेता ने भी किया है काम

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय दार्शनिक और धर्मशास्त्री आदि शंकराचार्य पर जल्द ही एक वेब सीरीज आने वाली है। यह हिंदू धर्म की सबसे प्रभावशाली शख्सियत आदि शंकराचार्य पर बनी देश की पहली वेब सीरीज होगी। इसका निर्माण श्री श्री प्रकाशन ट्रस्ट और ओएनएम मल्टीमीडिया द्वारा किया गया है। आदि शंकराचार्य पर बनी इस सीरीज के पहले सीजन में कुल 10 एपिसोड होंगे। पहले सीजन में आदि शंकराचार्य का शुरुआती जीवन देखने को मिलेगा, जब आठ साल की उम्र में वो सांसारिक विचारों को त्यागकर अपनी यात्रा शुरू करते हैं। इस सीरीज का निर्देशन ओंकार नाथ मिश्रा ने किया है और उन्होंने ही इसे लिखा भी है। इस सीरीज में अर्नव खानिजो, गगन मलिक, संदीप मोहन और योगेश महाजन समेत कई कलाकारों ने काम किया है। सीरीज को देश की कई मनमोहक जगहों पर शूट किया गया है। इसके बारे में बात करते हुए निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा ने कहा कि आतंकवाद, सांप्रदायिकता, जातिवाद, अवसरवाद और धार्मिक कट्टरता से पीडित दुनिया की समस्याओं का हल शंकर के दर्शन में हैं। इस सीरीज का मकसद युवाओं को ऐसे महानतम राष्ट्रीय नायक के साथ जोड़ना है, जिनकी विचारधारा वर्तमान में प्रासंगिक दर्शन है। ओंकार नाथ मिश्रा ने आगे कहा कि वो इस सीरीज के दूसरे सीजन को लेकर भी काफी उत्साहित हैं, जिसमें आदि शंकराचार्य के बाद के जीवन को दिखाया जाएगा। बता दें कि दूसरे सीजन 2 में मनीष वाधवा आदि शंकराचार्य के गुरु की भूमिका में नजर आएंगे। मनीष गदर 2 में भी काम कर चुके हैं। आदि शंकराचार्य 8वीं सदी के दार्शनिक थे। माना जाता है कि उनका जन्म केरल के कलाडी गांव में हुआ था। उन्होंने भगवद गीता, उपनिषदों और ब्रह्मसूत्र पर टिप्पणियों समेत कुल 116 कृतियां लिखी थीं।

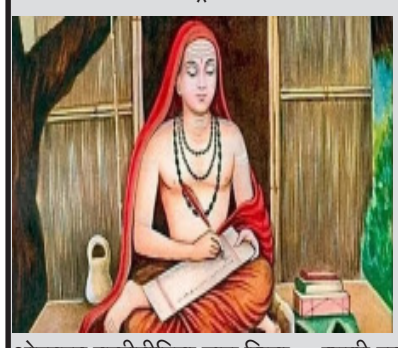

राजकुमार राव ने लगाई अदनान सामी की बॉलीवुड वापसी पर रोक अपनी फिल्म से हटवाया गायक का गाना

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गायक अदनान सामी नौ साल के अंतराल के बाद बॉलीवुड में वापसी को लेकर सुखिर्यों में बने हुए हैं। उन्होंने राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में एक गाने को अपनी आवाज दी थी। अब उन्हें लेकर हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि फिल्म से अदनान सामी की आवाज को हटा दिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, राजकुमार ने निजी चिंताओं का हवाला देते हुए उन्हें पार्श्व गायक के रूप में बदलने के लिए दबाव डाला था, क्योंकि उनका खुद का लिप-सिंकिंग अदनान के मुखर भावों के साथ मेल नहीं खाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, अदनान सामी को टी-सीरीज म्यूजिक लेबल और निर्देशक जोड़ी सचिन-जिगर ने नौ साल के अंतराल के बाद एक रोमांटिक गाने के लिए अपनी आवाज देने के लिए संपर्क किया था। गाने की धुन और भूषण कुमार के साथ अपने बेहद करीबी रिश्ते को देखते हुए अदनान सामी ने भी तुरंत सहमति जताई और एक शानदार प्रदर्शन दिया। हालांकि, राजकुमार राव ने पहले ही गाने के दृश्य फिल्माए थे और अस्थाई आवाज का उपयोग करके पिछले संस्करण पर लिप-सिंक किया था। अब उन्होंने फिल्म की टीम से अदनान सामी के प्रभावशाली स्वरों के साथ अपने भावों को मिलाने के बारे में अपनी असहमति जाहिर की। टीम के आश्वासन के बावजूद ने राजकुमार राव ने कथित तौर पर पार्श्व गायक को बदलने की मांग करते हुए अपना पैर पीछे खींच लिया। हालांकि, राजकुमार की असहमति से पहले संगीत जोड़ी और लेबल द्वारा यह घोषणा की जा चुकी थी कि अदनान सामी ने गीत गाया है और इसलिए मीडिया ने इसे बहुत उत्साह के साथ कवर किया। इससे पहले अदनान सामी ने 'कसूर' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के साथ बॉलीवुड में वापसी करने के अपने अनुभव को साझा किया था। उन्होंने कहा था कि यह कोई सोची-समझी चाल नहीं थी, बल्कि कुछ ऐसा था, जो हुआ। मुझे मुख्य रूप से खुद को ठीक करने, तरोताजा करने और कुछ नया सुनने के लिए थोड़ा समय चाहिए था। वास्तव में एहसास नहीं होता कि यह इतना लंबा अंतराल रहा है, क्योंकि समय बहुत तेजी से भागता है। ऐसा लगता है जैसे कल ही 'बजरंगी भाईजान' आई थी और मैंने 'भर दो झोली' गाया था। जब आप पीछे देखते हैं, तो आपको लगता है कि बहुत समय बीत गया है। मैं नए गाने को लेकर उत्साहित हूं।' राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 1990 के दशक की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म को शुद्ध मसाला एंटरटेनर के रूप में बताया जा है। फिल्म को राज शांडिल्य ने लिखा और निर्देशित किया है और संगीत सचिन और जिगर ने दिया है। यह पारिवारिक ड्रामा 11 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा का बड़ा खुलासा, इस वजह से दिया था नमस्ते वाला पोज

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में, लंदन में अपने पति निक जोनास के संगीत कार्यक्रम में शामिल हुईं। खास बात है कि ये वही जगह थी, जहां प्रियंका ने 24 साल पहले मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। प्रियंका ने अपनी एक ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में उस पल को याद करते हुए कुछ बातें साझा की है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें साझा की। इसके कैप्शन में उन्होंने बताया कि 24 साल पहले उन्हें इसी जगह पर मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया था। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उस दौरान इस जगह को मिलेनियम डोम कहा जाता था। उन्होंने लिखा कि वो अपने 18 साल के बचपन की उस याद को कभी नहीं भूल सकतीं। प्रियंका ने लिखा कि मैं उस वक्त बहुत उत्साहित थीं और साथ ही घबराई हुई भी थीं। मैं जितना अच्छा हो सकता था, उतना अच्छा दिखने की कोशिश करती थीं।

दीपिका पादुकोण के बाद ये अभिनेत्रियां बनने वाली हैं मां

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह आठ सितंबर को अपने पहले बच्चे के माता-पिता बने। दोनों सितारों ने अपने घर एक प्यारी सी बच्ची का स्वागत किया। नन्हे मेहमान के आगमन पर सिनेमा जगत के कई दिग्गजों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। दीपिका पादुकोण के अलावा कई अभिनेत्रियां अपने घर में नए मेहमान का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। आइए जानते हैं वह कौन-कौन सी अदाकारा है, जो बच्चे को जन्म देने वाली हैं। टीवी अभिनेत्री दृष्टि धामी भी मां बनने वाली हैं। दृष्टि ने वर्ष 2015 में नीरज खेमका से शादी की। शादी के 9 साल बाद उन्होंने प्रेगनेंसी की खबर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री अक्टूबर में अपने बच्चे को जन्म देंगी। साथ निभाना साथिया' की 'गोपी बहू' यानी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी के घर भी जल्द ही किलकारी गूंजने वाली है। हाल ही में उन्होंने अपनी पहली प्रेगनेंसी की घोषणा की। 15 अगस्त को देवोलीना ने एक पोस्ट करते हुए यह खुशखबरी प्रशंसकों के साथ साझा की थी।टीवी अभिनेत्री युविका चौधरी और प्रिंस नरूला भी जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने साल 2018 में शादी की थी। शादी के छह साल बाद दोनों ने गुड न्यूज सोशल मीडिया पर साझा किया। यह खबर सुनते ही उनके प्रशंसक खुशी से झूम उठे थे। नीना गुप्ता और पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स की बेटी और फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता भी पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। मसाबा ने अपनी प्रेगनेंसी की खबर अप्रैल में साझा की थी। साल 2023 में अभिनेता सत्यदीप मिश्रा से मसाबा ने दूसरी शादी की है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।